रांची, बुधवार
24.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 202, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री 3 जुलाई को करेंगे दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करकमलों द्वारा आगामी 3 जुलाई 2026 को दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के पूरे कर लिए गए ग्रिड सबस्टेशन एवं संचरण लाइनों का लोकार्पण 3 जुलाई 2026 को रांची के प्रोजेक्ट भवन से ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस क्रम में मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा 220 के.वी. दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 220 के.वी. दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन के लोकार्पण से दुमका, गोड्डा, पाकुड़, देवघर, धनबाद एवं इसके आसपास के क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति से लाभान्वित होंगे। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा उसी दिन 132 / 33 के.वी. ग्रिड सबस्टेशन अमड़ापाड़ा (जियापानी) जिला पाकुड़, 132 / 33 के.वी. ग्रिड सबस्टेशन, सुरदा, जिला पूर्वी सिंहभूम एवं 132 / 33 के.वी. ग्रिड सबस्टेशन, नारायणपुर, जिला जामताड़ा का भी लोकार्पण किया जाएगा।

सुरक्षित और समावेशी दुनिया के लिए ब्रिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में समूह की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में ब्रिक्स देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसी साझा चुनौतियों से निपटने में ब्रिक्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अध्यक्षता के दौरान व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने, वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को समर्थन देने तथा अधिक सुरक्षित, समावेशी और संतुलित विश्व व्यवस्था के निर्माण की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में सदस्य देशों के बीच संवाद और समन्वय को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सहयोग को मजबूत बनाकर साझा चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, पत्नी रूपी सोरेन ने ग्रहण किया सम्मान

ममूटी, अलका याज्ञनिक, रोहित शर्मा और आर. माधवन समेत 64 हस्तियों को पद्म सम्मान

राष्ट्रपति मुर्मु ने दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 55 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह के दूसरे चरण में झारखंड की धरती के महान जननायक और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजा गया। यह सम्मान उनके दीर्घकालिक सामाजिक, राजनीतिक और आदिवासी अधिकारों के संघर्ष को मान्यता देता है। नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित गरिमामय समारोह में उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने यह सम्मान ग्रहण किया।

शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन के प्रमुख वास्तुकार होने के साथ-साथ आदिवासी समाज के हक, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके योगदान ने न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश में वंचित समुदायों को सशक्त करने की राह दिखाई।

सम्मान ग्रहण करते हुए रूपी सोरेन भावुक दिखीं और उन्होंने इसे पूरे झारखंड एवं आदिवासी समाज के लिए गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर देशभर के राजनीतिक और सामाजिक नेताओं ने दिशोम गुरु को सम्मान अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया।सम्मान समारोह में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं।

यह सम्मान शिबू सोरेन के संघर्षमय जीवन और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य, विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां तथा पुरस्कार विजेताओं के परिजन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मु ने 25 मई को आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह के प्रथम चरण में 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे। केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है, जिनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं।

पिता की हत्या के बाद शिबू सोरेन ने फूंका था संघर्ष का बिगुल

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को वर्तमान रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था. उनके पिता सोबरन मांझी एक स्कूल शिक्षक थे और आदिवासियों के शोषण का विरोध करते थे. महाजनों द्वारा उनके पिता की हत्या कर दी गई, जिसके बाद युवा शिबू सोरेन ने महाजनी प्रथा और आदिवासियों के शोषण के खिलाफ एक लंबी लड़ाई शुरू की. प्रारंभ में 1970 के दशक के समय उन्होंने आदिवासियों को एकजुट करने के लिए महाजनी और 'धान कटनी' आंदोलन चलाया और नशा मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक किया. गुरुजी जानते थे कि कोई भी आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप होना बेहद जरूरी है. शायद यही वजह रही कि 1972 में उन्होंने विनोद बिहारी महतो और एके रॉय जैसे नेताओं के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर डाली. समय के साथ मुद्दे बदलते गए और गुरुजी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैनर तले बिहार से अलग राज्य बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. जिसमें उन्हें सफलता भी मिली.

अमोनिया गैस रिसाव त्रासदी: तिरुवल्लूर हादसे में मृतकों की संख्या नौ पहुंची, 67 श्रमिक अब भी अस्पतालों में भर्ती

एजेंसी

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण (सीफूड प्रोसेसिंग) फैक्ट्री में हुए अमोनिया गैस रिसाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मंगलवार को उपचार के दौरान दो और श्रमिकों की मौत हो जाने के बाद यह आंकड़ा नौ तक पहुंच गया। वहीं, 67 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस दुर्घटना से कुल 77 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रभावितों में असम के 20, ओडिशा के 29, झारखंड के आठ तथा तमिलनाडु के पांच श्रमिकों के अलावा अन्य श्रमिक शामिल हैं। अधिकांश पीड़ित प्रवासी मजदूर हैं, जो फैक्ट्री में कार्यरत थे और परिसर के आसपास ही निवास कर रहे थे।

अस्पतालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चेन्नई स्थित वेल्स अस्पताल में भर्ती 33 मरीजों में से तीन की उपचार के दौरान मृत्यु हो चुकी है, जबकि दो मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वर्तमान में वहां 28 लोगों का इलाज चल रहा है। तिरुवल्लूर के वेंकटेश्वरा अस्पताल में भर्ती 19 मरीजों में से एक व्यक्ति की मौत हुई है और 18 मरीज उपचाराधीन हैं।

इसी प्रकार चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी अस्पताल में भर्ती 13 मरीजों में से दो लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 11 मरीजों का उपचार जारी है। स्टैनली सरकारी अस्पताल में भर्ती 12 मरीजों में से दो लोगों ने दम तोड़ दिया है और शेष 10 मरीज चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

चिकित्सकों के अनुसार, अमोनिया गैस के संपर्क में आने से प्रभावित मरीजों में सांस लेने में कठिनाई, आंखों और श्वसन तंत्र में गंभीर जलन, लगातार खांसी तथा फेफड़ों से संबंधित जटिलताएं देखी गई हैं। कई गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती कर विशेष निगरानी में रखा गया है।

दुर्घटना में अब तक जिन लोगों की मौत हुई है उनमें शिबानी, जुमानी जुआंग, गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, संबापति जुआंगा और प्रभावती जुआंगा शामिल हैं। ये सभी ओडिशा के निवासी बताए गए हैं। मृतकों में असम निवासी चिट्टा हस्ता भी शामिल है। इनके अतिरिक्त एक अज्ञात पुरुष और एक अज्ञात महिला भी शामिल हैं।

राज्य सरकार ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गैस रिसाव किन परिस्थितियों में हुआ और क्या सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही बरती गई थी। प्रशासन ने फैक्ट्री परिसर को निगरानी में लेकर तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

इस बीच प्रभावित श्रमिकों के परिजनों में शोक और चिंता का माहौल है। विभिन्न राज्यों से आए मजदूरों के परिवार लगातार अस्पतालों और प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में हैं। जिला प्रशासन ने सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

उल्लेखनीय है कि यह हादसा 21 जून को तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के निकट कन्निगैपेर गांव स्थित सेंट पीटर एंड पॉल सीफूड एक्सपोर्ट कंपनी में हुआ था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, फैक्ट्री के शीतलन (कूलिंग) सिस्टम में लगे एक पाइप से अचानक अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया।

केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति ने स्वीकार किया

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने राज्यसभा सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों में उन्हें दोबारा उम्मीदवार न बनाने का फैसला किया था। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

जॉर्ज कुरियन अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के साथ-साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में भी केंद्रीय राज्य मंत्री का प्रभार संभाल रहे थे। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद से कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

जॉर्ज कुरियन संभवत केंद्र सरकार में एकमात्र ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से आते हैं। राज्यसभा में उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया था। भाजपा ने हाल में हुए राज्यसभा चुनावों में कुरियन को दोबारा उम्मीदवार न बनाने का फैसला किया था। गौरतलब है कि दो केंद्रीय मंत्रियों–रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन को 18 जून को हुए राज्यसभा चुनावों के लिए पार्टी द्वारा दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया गया था, जिसके चलते कार्यकाल खत्म होने पर उन्होंने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

बड़ी गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद, निवेशकों को 4.63 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेत और एशियाई बाजार में बिकवाली के जबरदस्त दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी की वीकली एक्सपायरी की वजह से भी शेयर बाजार में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी कर कुछ देर के लिए हरे निशान में अपनी जगह भी बनाई, लेकिन दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही बाजार में बिकवाली का जबरदस्त दबाव बन गया। इस बिकवाली की वजह से दोनों सूचकांक दोबारा लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही।

फार्मास्यूटिकल सेक्टर में हुई खरीदारी की वजह से निफ्टी का फार्मा इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ, जबकि बीएसई के हेल्थकेयर इंडेक्स ने 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े चार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 475.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 479.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.63 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,447 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,496 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,794 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 157 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,002 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 831 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,171 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से चार शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से नौ शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा: अजीत डोभाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों की यहां आयोजित बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच बनी समझ का भारत स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को कम करेगा तथा उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर करेगा। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा।

डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा कि दुनिया इस समय सैन्य संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबावों और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समाधान के पारंपरिक तंत्र कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

एनएसए ने कहा कि बहुपक्षवाद कमजोर हो रहा है। ब्रिक्स की कल्पना उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर की गई थी, ताकि एक ज्यादा बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा, ह्लउथल-पुथल और तेजी से बदलते इस दौर में जहां झगड़े सुलझाने के पुराने तरीके बेअसर होते दिख रहे हैं, हमारी एक बहुत खास भूमिका है। एक समूह के तौर पर हम क्या भूमिका निभा सकते हैं, इस पर विचार करना हमारे लिए जरूरी है।ह्व

डोभाल ने कहा कि साइबर खतरों, आतंकवाद के नए स्वरूपों और विघटनकारी तकनीकों जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरे राष्ट्रीय सीमाओं से परे फैल चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास और नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का गठन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मंच के रूप में अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, आर्थिक सहयोग और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। डोभाल ने कहा कि ब्रिक्स शांति, प्रगति, विकास और सहयोग में विश्वास रखने वाले देशों का अनूठा समूह है, जो लगातार मजबूत हो रहा है।

डोभाल ने बताया कि ब्रिक्स देशों की आबादी 4.1 अरब से अधिक है। यह विश्व की लगभग 49 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। यह समूह वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 31.5 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देता है।

बैठक में आतंकवाद-रोधी सहयोग तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सुरक्षित उपयोग से संबंधित ब्रिक्स संयुक्त कार्य समूहों की प्रगति और सिफारिशों पर भी चर्चा की जाएगी।

इससे पहले अजीत डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में ब्रिक्स और भागीदार देशों का स्वागत किया। बैठक में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में सर्गेई शोइगु (रूस), अली मोहम्मद हम्माद अल शम्सी (यूएई), अला यूसुफ (मिस्र), यायात रुयात (इंडोनेशिया), गदीर नेजामीपुर (ईरान), मिलियन लेमा ताडेसे (इथियोपिया), कार्लोस मार्सियो बिकाल्हो कोजेंडे (ब्राजील), खुम्बुद्जो नत्शावेनी (दक्षिण अफ्रीका), और वांग यी (चीन) शामिल थे।

मप्र में ईडी की 356 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई, 35.52 करोड़ की संपत्ति अटैच

एजेंसी

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में मध्य प्रदेश में बड़ी कार्रवाई करते हुए 35.52 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।

ईडी द्वारा जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें इंदौर और शाजापुर जिलों में स्थित आवासीय फ्लैट एवं भूमि के विभिन्न टुकड़े शामिल हैं। ये संपत्तियां आरोपित व्यक्तियों के नाम पर दर्ज हैं।

ईडी के इंदौर सब-जोनल कार्यालय द्वारा मंगलवार को जानकारी दी कि यह मामला एम/एस धनलक्ष्मी सॉल्वेक्स प्राइवेट लिमिटेड (डीएसपीएल), उसके निदेशकों और उससे जुड़े संस्थानों और व्यक्तियों से संबंधित है। कंपनी पर बैंकों के साथ करीब 356.31 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

जांच एजेंसी का कहना है कि बैंक फ्रॉड से अर्जित या उससे जुड़े धन के निवेश के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की जा रही है। इसी के तहत संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (प्रोविजनल अटैचमेंट) किया गया है।

ईडी इस पूरे मामले में धन के स्त्रोत, उसके उपयोग और विभिन्न संपत्तियों में निवेश की पड़ताल कर रही है। जांच में कंपनी के निदेशकों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। अधिकारियों के अनुसार मामले में आगे भी वित्तीय लेन-देन और अन्य संपत्तियों की जांच जारी रहेगी तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अलनीनो से प्रभावित जिलों के किसानों को विशेष राहत पैकेज उपलब्ध कराए केंद्र सरकार : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

रांची : भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा देश के सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए कंटीजेंसी प्लान का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया तथा अलनीनो से प्रभावित जिलों के लिए केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज उपलब्ध कराने की मांग की।

बैठक के दौरान भारतीय मौसम विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में बताया गया कि 1 जून से 17 जून तक देश में औसतन 74 मिमी वर्षा होने का अनुमान था, जबकि अब तक मात्र 37 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वर्तमान में देशभर में वर्षा की कमी (रेनफॉल डेफिसिट) लगभग 40 प्रतिशत है तथा 248 जिलों में अब तक सामान्य वर्षा नहीं हुई है। मौसम विभाग ने आगामी दो सप्ताह तक भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना व्यक्त की। इस पर सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों की तैयारियों एवं कंटीजेंसी योजनाओं की जानकारी साझा की।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड सरकार ने संभावित अलनीनो प्रभाव को ध्यान में रखते हुए मई माह में ही राज्यव्यापी कंटीजेंसी प्लान तैयार कर लिया था। जिला एवं प्रखंड स्तर पर कृषि कार्यशालाओं का आयोजन कर किसानों को जागरूक किया गया है तथा बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अलनीनो के प्रभाव को देखते हुए जलवायु-अनुकूल फसलों जैसे मड़ुवा, मक्का एवं दलहनी फसलों को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई जा रही है। साथ ही किसानों की आय में स्थिरता बनाए रखने और संभावित आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, लाह उत्पादन, मत्स्य पालन एवं अन्य वनोपज आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि देश के जिन जिलों में औसत से कम वर्षा हुई है और जहां अलनीनो का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, वहां के किसानों को राहत प्रदान करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा विशेष राहत पैकेज (स्पेशल रिलीफ पैकेज) उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि किसानों को आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता का मुद्दा भी उठाते हुए मंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा केंद्र सरकार से 3 लाख 90 हजार मीट्रिक टन उर्वरक की मांग की गई थी, जिसके विरुद्ध केंद्र सरकार ने मात्र 3 लाख 20 हजार मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराने पर सहमति दी है। उन्होंने राज्य की आवश्यकता के अनुरूप शेष उर्वरकों की भी समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि किसानों को खेती के मौसम में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

अड्डेबाजी के खिलाफ पुलिस का कड़ा एक्शन; डीएसपी और थाना प्रभारी के नेतृत्व में चला विशेष अभियान

बिभा संवाददाता

खलारी। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खलारी पुलिस द्वारा एडेबाजी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान खलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी के निर्देश पर तथा खलारी थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा के नेतृत्व में संचालित किया गया।अभियान के दौरान पुलिस टीम ने झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के मैदान, एसीसी ग्राउंड, डकरा स्टेडियम, दुर्गा मंडप ग्राउंड तथा डकरा क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना किसी आवश्यक कार्य के समूह बनाकर घूम रहे युवकों से पूछताछ की गई तथा उन्हें सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन बनाए रखने और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी गई।डीएसपी राम नारायण चौधरी ने कहा कि छात्राओं, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। स्कूल, कॉलेज, खेल मैदान और सार्वजनिक स्थलों के आसपास एडेबाजी, छेड़छाड़ अथवा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वहीं, थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा ने बताया कि खलारी थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी एडेबाजी, छेड़छाड़ या संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।पुलिस के इस विशेष अभियान से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

खलारी(बिभा)। खलारी प्रखंड अंतर्गत बुकबुका पंचायत के बूथ संख्या 29, 30, 31 एवं 32 के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया।कार्यक्रम में उपस्थित धीरेंद्र प्रसाद ने डॉ. मुखर्जी के जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान राष्ट्रवादी नेता, शिक्षाविद् और दूरदर्शी विचारक थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जम्मू-कश्मीर में एक देश, एक विधान और एक निशान के सिद्धांत को लेकर चलाए गए आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर भाजपा नेता दिलीप पासवान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। उनके विचार आज भी देश के युवाओं और कार्यकताओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता और सांस्कृतिक एकता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में रविंद्र नाथ गिरी, सिन्नी समाड, दिलीप पासवान, शत्रुंजय सिंह, कामेश्वर निषाद, मिथिलेश सिंह, प्रदीप प्रमाणिक, राजेश सोनी, आदित्य सोनी, दीपक तिवारी, पवन गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा बेड़ो मंडल ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

बेड़ो(बिभा): भारतीय जनता पार्टी बेड़ो मंडल द्वारा सोमवार को नमो कार्यालय में भारत के महान राष्ट्रवादी नेता, शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके जीवन, विचारों और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनके आदर्श आज भी देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का प्रतीक था। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही देश को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश युवा मोर्चा के रंजन अधिकारी, उपाध्यक्ष अरुण प्रसाद, आदित्य ताम्रकार, गणेश महथा, महामंत्री आनंद साहू, मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहू, प्रदीप राम, सुरेंद्र लोहरा, विशु उरांव, मनोज सिंह, संजय सिंह, छोटू सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कराँजी में 30 जून को मनाया जाएगा मोहर्रम, शांति एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने का लिया गया संकल्प

बेड़ो(बिभा): प्रखंड क्षेत्र के कराँजी गांव में आगामी 30 जून को मोहर्रम पर्व मनाया जाएगा। इसको लेकर रहमत नगर जराटोली के आंकड़ा की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं धार्मिक माहौल में मनाने का संकल्प लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए रहमत नगर जराटोली कराँजी के अध्यक्ष सैफ अंसारी ने कहा कि कराँजी गांव में मोहर्रम के अवसर पर पांच जुलूस निकाले जाते हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग प्रशासन का सहयोग करते हुए आपसी भाईचारे और अनुशासन के साथ मोहर्रम पर्व मनाएंगे। उन्होंने सभी युवाओं एवं समिति के सदस्यों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। बैठक में सचिव अजहरुद्दीन अंसारी, कोषाध्यक्ष राजिक अंसारी, समाजसेवी रुस्तम अंसारी, आलम अंसारी, जिसान अंसारी सहित रहमत नगर जराटोली के कई सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने मिलकर धार्मिक वातावरण में मोहर्रम पर्व के सफल आयोजन का संकल्प लिया।

एसआईआर में एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम नहीं कटेगा : के रवि

बिभा संवाददाता

देवघर/दुमका। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि एसआईआर में एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम नहीं कटेगा एवं केवल पांच कटेगरी एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लिकेट एवं गैर भारतीय प्रारूप मतदाता सूची में नहीं होंगे शामिल। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता जिनकी विगत के गहन पुनरीक्षण वाले मतदाता सूची से मैपिंग हुई है अथवा नहीं हुई है यदि वे इन्यूमरेशन फॉर्म हस्ताक्षर कर जमा करेंगे तो उनका मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में नाम प्रकाशित होगा। श्री के. रवि कुमार संथाल परगना प्रमंडल के 2 दिवसीय दौरे पर आज मंगलवार को देवघर के मधुपुर एवं दुमका के जरमुंडी प्रखंड में आयोजित बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर हेतु कराए जा रहे ट्रेनिंग का किया भौतिक निरीक्षण एवं बीएलओ के उत्साह वर्धन एवं शंकाओं का समाधान किया।

श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि 30 जून से जब बीएलओ घरझघर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म बांटेंगे उस दौरान मतदाताओं का मतदाता सूची के विगत गहन पुनरीक्षण से मैपिंग करना सुनिश्चित करें जिससे कम से कम मतदाताओं को एसआईआर के क्रम में किसी अन्य दस्तावेज देने की आवश्यकता पड़े। उन्होंने कहा कि मतदाताओं से मैपिंग एवं इन्यूमरेशन फेज में किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं लेने हैं, बीएलओ इस बात का ध्यान रखें।

इस अवसर पर देवघर जिला भ्रमण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी देवघर, श्री सौरभ कुमार भुवानिया, अनुमंडल पदाधिकारी, मधुपुर श्री राजीव कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सागरी बराल, सहित मधुपुर प्रखंड के पदाधिकारी वहीं जरमुंडी प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्तर के पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंडों के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर उपस्थित थे।

बेड़ो थाना कांड में अप्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार, दो मोबाइल एवं सोने का लॉकेट बरामद

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बेड़ो थाना कांड संख्या 62/26, दिनांक 27.05.2026, धारा 74/308(2) बीएनएस एवं 08 पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अप्राथमिकी अभियुक्त मकबुल अंसारी, उम्र 43 वर्ष, पिता मुस्तकीम अंसारी, ग्राम लियोटोली, थाना मांडर, जिला रांची निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा की गई छापेमारी एवं अनुसंधान के दौरान कांड से संबंधित दो मोबाइल फोन एवं सोने का बना दुर्गा मां का लॉकेट भी बरामद किया गया है।

थाना पुलिस के अनुसार मामले की जांच लगातार जारी है तथा कांड से जुड़े अन्य पहलुओं पर भी गंभीरता से अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उक्त जानकारी बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद ने देते हुए कहा कि कांड में आगे भी अनुसंधान जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

टीएमएच में भर्ती जिलाध्यक्ष से कांग्रेस नेताओं ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह से आज टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में कांग्रेसजनों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। ज्ञात हो कि अस्वस्थता के कारण श्री सिंह विगत कुछ दिनों से टीएमएच के 5जी फ्लोर, केबिन नं. 27 में चिकित्सकों की देखरेख में भर्ती हैं। फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। सभी नेताओं ने ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने एवं दीघार्यु की कामना की। जिलाध्यक्ष परविंदर से मिलने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार झा वरिष्ठ नेता आनंद बिहारी दुबे, विजय खां, कांग्रेस नेता मस्तान सिंह, प्रदेश के पूर्व कोऑर्डिनेटर अशोक सिंह, जिला उपाध्यक्ष अतितोष सिंह, अरुण सिंह, जिला महासचिव राकेश साहू, कौशल प्रधान, प्रदेश प्रवक्ता प्रताप यादव, गुरदीप सिंह, मानगो प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर सिंह, गोलू सिंह, सूरज सिंह, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सनी सिंह सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

धान बीज वितरण अभियान का विधायक ने किया शुभारंभ

बिभा संवाददाता

पोटका : खरीफ खेती की तैयारी को लेकर पोटका प्रखंड में धान बीज वितरण अभियान की शुरूआत हो गई है। मंगलवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने आसनबनी लैम्पस, डोरकासाई में आयोजित समारोह में किसानों के बीच धान बीज वितरण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों, लैम्पस पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति रहे कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि पोटका प्रखंड के आसनबनी, कोवाली, टांगराईन, पोटका, हरिणा एवं गंगाडीह लैम्पस के माध्यम से किसानों को धान बीज उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को मात्र 21 रुपये प्रति किलो की दर से धान बीज दिया जाएगा। पहली खेप में पूरे प्रखंड के लिए 100 क्विंटल धान बीज उपलब्ध कराया गया है, ताकि समय पर बुआई कार्य शुरू हो सके और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती झारखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों की समृद्धि से ही गांवों का विकास संभव है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और कृषि संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि उत्पादन बढ़े और किसानों की आय में वृद्धि हो।

विधायक श्री सरदार ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग एवं लैम्पस प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र किसानों तक बीज पारदर्शी तरीके से पहुंचे और किसी भी किसान को वंचित न रहना पड़े।

कार्यक्रम में मुखिया कृष्णा भगत, पंचायत समिति सदस्य सुमिता भगत, बीटीएम कौशल झा, लैम्पस अध्यक्ष भीम सरदार, सचिव मनिंदर नाथ महतो, चक्रधर महतो, भूपति महतो, ग्राम प्रधान भुवन चंद्र महतो, अशोक कुमार महतो, नरेश भगत, गुरुपद दास, हेमंत महाकुड़, हरेंद्र कश्यप सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं किसान उपस्थित थे।

सपही नदी तट स्थित श्मशान घाट का शेड जर्जर, हादसे की आशंका से लोगों में भय

वर्षों पुराना शेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त, अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को हो रही परेशानी

बिभा संवाददाता

खलारी: खलारी प्रखंड क्षेत्र के चुरी कॉलोनी के समीप सपही नदी के किनारे स्थित श्मशान घाट का शेड वर्षों से उपेक्षा का शिकार है। लंबे समय पहले निर्मित यह शेड अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है और किसी बड़े हादसे को निमंत्रण देता नजर आ रहा है। छत की कंक्रीट कई जगहों से उखड़ चुकी है, प्लास्टर झड़ रहा है तथा संरचना कमजोर दिखाई दे रही है। ऐसे में यहां आने वाले लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

गर्मी और बारिश में बढ़ जाती है परेशानी

स्थानीय लोगों के अनुसार श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान परिजनों और ग्रामीणों को घंटों रुकना पड़ता है। लेकिन शेड की बदहाल स्थिति के कारण उन्हें न तो गर्मी से राहत मिल पाती है और न ही बारिश के दौरान उचित आश्रय मिल पाता है। बरसात के समय छत से पानी टपकने और जर्जर हिस्सों के गिरने का खतरा बना रहता है।

कई गांवों और कॉलोनियों के लोगों का प्रमुख श्मशान घाट

यह श्मशान घाट चुरी कॉलोनी, पुरानी राय, दरहा टांड, मोहननगर, मानकी कॉलोनी सहित आसपास के कई गांवों और बस्तियों के लोगों के लिए प्रमुख दाह संस्कार स्थल है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद वर्षों से इस महत्वपूर्ण स्थल की मरम्मत या पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

ग्रामीणों का कहना है कि शेड की छत और अन्य हिस्से काफी कमजोर हो चुके हैं। यदि समय रहते इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील अवसर पर लोगों को जर्जर शेड के नीचे खड़े होने में डर लगता है।

विधायक, प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के विधायक, स्थानीय प्रशासन एवं सीसीएल प्रबंधन से मांग की है कि सपही नदी तट स्थित इस श्मशान घाट के जर्जर शेड का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए। लोगों का कहना है कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के हजारों लोगों की आस्था और आवश्यकता से जुड़ा सार्वजनिक स्थल है। इसलिए जनहित को देखते हुए शीघ्र पहल कर नए एवं सुरक्षित शेड का निर्माण कराया जाना चाहिए, ताकि अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को सम्मानजनक सुविधा मिल सके और किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाव हो सके।

ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी। लोगों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से जल्द स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है।

बंद पड़ी खलारी सीमेंट फैक्ट्री को फिर से चालू करने की उठी मांग

बिभा संवाददाता

खलारी: क्षेत्र की पुरानी औद्योगिक पहचान रही खलारी सीमेंट फैक्ट्री को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं ने प्रशासन से हस्तक्षेप की अपील की है। इस संबंध में झामुमो खलारी प्रखंड अध्यक्ष श्यामजी महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अंचल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कहा गया है कि खलारी सीमेंट फैक्ट्री कभी क्षेत्र में रोजगार का बड़ा स्रोत थी। फैक्ट्री के संचालन से हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई थी, लेकिन वर्षों से इसके बंद रहने के कारण स्थानीय युवाओं के सामने रोजगार का संकट गहराता गया है। संगठन ने सरकार से फैक्ट्री की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर पुनः संचालन की संभावनाओं पर विचार करने की मांग की है।श्यामजी महतो ने कहा कि फैक्ट्री का आधारभूत ढांचा अभी भी मौजूद है। ऐसे में यदि सरकार और संबंधित विभाग पहल करें तो उद्योग को फिर से शुरू किया जा सकता है। इससे न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी।उन्होंने कहा कि खलारी जैसे औद्योगिक क्षेत्र में बड़े उद्योगों के बंद होने का असर स्थानीय व्यापार, परिवहन और छोटे कारोबारियों पर भी पड़ा है। फैक्ट्री के पुनः संचालन से क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सकती है।झामुमो की ओर से मांग की गई है कि राज्य सरकार उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए और रोजगार के नए अवसर सृजित करे। ज्ञापन की प्रतिलिपि संबंधित विभागों और उच्च अधिकारियों को भी भेजी गई है।

झारखंड में तीन अस्पतालों को कॉर्निया ट्रांसप्लांट की मंजूरी, एमजीएम में स्थापित होगा आई बैंक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की एडवाइजरी कमेटी ने तीन अस्पतालों को कॉर्निया प्रत्यारोपण (कॉर्निया ट्रांसप्लांट) से संबंधित सेवाओं के लिए मंजूरी दी है। यह निर्णय मंगलवार को नेपाल हाउस में आयोजित ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स (अमेंडमेंट) एक्ट, 2011 के तहत गठित सलाहकार समिति (एडवाइजरी कमेटी) की बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने की। बैठक में राज्य के पांच अस्पतालों की ओर से प्रस्तुत पंजीकरण प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

तकनीकी और कानूनी मानकों की समीक्षा के बाद समिति ने टाटा मेन हॉस्पिटल तथा आईरिस सुपर स्पेशलिटी आई केयर सेंटर को कॉर्निया ट्रांसप्लांट के लिए पांच वर्षों का पंजीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया। वहीं एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं के साथ आई बैंक की स्थापना और संचालन की भी अनुमति दी गई।

बैठक में प्रस्तुत अन्य प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। हालांकि लोकनायक जयप्रकाश नारायण आई हॉस्पिटल तथा कोडरमा रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रस्तावों को आवश्यक प्रशिक्षित मानव संसाधन और उपकरण संबंधी मानकों की कमी के कारण स्वीकृति नहीं दी गई। समिति ने इन संस्थानों को निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद पुनः आवेदन करने की सलाह दी।

बैठक को संबोधित करते हुए अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण सेवाओं का विस्तार गुणवत्ता, पारदर्शिता और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य के मरीजों को प्रत्यारोपण संबंधी बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सुविधाएं झारखंड में ही उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें उपचार के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें और सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारें। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

बैठक में डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के विशेषज्ञ चिकित्सक, विधि विशेषज्ञ तथा एडवाइजरी कमेटी के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के 262 अभ्यर्थियों को आज मिलेगा नियुक्ति पत्र : मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य सरकार की ओर से बुधवार को स्वास्थ्य विभाग में चयनित 262 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नियुक्ति प्राप्त करने वालों में 151 विशेषज्ञ चिकित्सक, 56 खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, 29 सीनियर हॉस्पिटल मैनेजर और 26 फाइनेंस मैनेजर शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन नियुक्तियों से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति से सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों की नियुक्ति से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी को मजबूती मिलेगी। सीनियर हॉस्पिटल मैनेजर अस्पतालों के प्रशासनिक संचालन को बेहतर बनाने में भूमिका निभाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में लगभग 11 हजार अतिरिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि, राष्ट्र एकता के लिए उनके योगदान को किया याद

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी की झारखंड इकाई ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय और मुखर्जी पार्क में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय के अलावा राज्य भर के विभिन्न मंडलों में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए किए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए देश को नई वैचारिक दिशा प्रदान की।

आदित्य साहू ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए डॉ. मुखर्जी का संघर्ष और राष्ट्रहित में दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने कहा कि ₹एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे₹ का उनका संकल्प राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उनका जीवन और संघर्ष आज भी देशवासियों तथा भाजपा कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनका जीवन हमें राष्ट्रसेवा के मार्ग पर दृढ़ता, निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही डॉ. मुखर्जी की सबसे बड़ी विरासत है।

संक्षिप्त खबरें

एसबीयू में याद किए गए डॉ. मुखर्जी

रांची(बिभा) : सरला बिरला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अखंड भारत की संकल्पना और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अपने जीवन का ध्येय बनाने वाले श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने डॉ. मुखर्जी की जीवनी पर चर्चा करते हुए ब्रिटिश सरकार के शोषण एवं औपनिवेशिक चुनौतियों के बीच उनके दृढ़ता से खड़े रहने की चर्चा की। आजादी के बाद भी तत्कालीन नेहरू सरकार द्वारा हिंदुओं की उपेक्षा और विभाजनकारी नीतियों के विरुद्ध उनके तीव्र विरोध और कश्मीर को स्पेशल स्टेटस प्रदान करने के खिलाफ उनके प्रतिरोध और तपश्चात बलिदान देने पर उन्होंने कहा कि इस कालखंड में न तो उन्होंने पद की लालसा की और न ही अपने सिद्धांतों से पीछे हटे। कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति प्रो सी जगनाथन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से प्रेरणा लेकर आज की पीढ़ी को देश के विषय में सोचने और दृढ़ संकल्पित होने का आह्वान किया। इस संदर्भ में शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के दरम्यान सार्थक चर्चा की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया। कार्यक्रम के अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो श्रीधर डांडिन समेत विवि के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अवनी केजरीवाल को मारवाड़ी सम्मेलन ने दी बधाई, शीघ्र होगा सम्मान

रांची(बिभा) : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य एवं समाजसेवी मितेश केजरीवाल की सुपुत्री तथा डीपीएस रांची की छात्रा अवनी केजरीवाल ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा सत्र 2025-26 के पुनर्मूल्यांकन परिणाम में 500 में 500 अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉपर बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अवनी की इस असाधारण सफलता पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें तथा उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन तथा संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से जारी बधाई संदेश में कहा कि अवनी केजरीवाल ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे झारखंड और मारवाड़ी समाज का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धि राज्य के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।पदाधिकारियों ने अवनी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह आगे भी शिक्षा एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने बताया कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा शीघ्र ही अवनी केजरीवाल को सम्मानित किया जाएगा।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष बने मनोज चौधरी, एवं मंत्री निर्मल बुधिया

रांची(बिभा) : अग्रवाल सभा, राँची की सत्र 2026 - 28 के नवनिर्वाचित एवं मनोनीत कार्यकारीणी समिति की बैठक मंगलवार को महाराजा अग्रसेन भवन, राँची के सभागार में मुख्य चुनाव पदाधिकारी अशोक नारसरिया तथा चुनाव पदाधिकारी राजेंद्र केडिया एवं नंद किशोर पाटोदिया ने आहूत की। जिसमें सत्र 2026-28 के पदाधिकारीयो का निर्वाचन किया गया। अध्यक्ष- मनोज कुमार चौधरी, वरीय उपाध्यक्ष - सज्जन पाड़िया, उपाध्यक्ष - रामा शंकर बगड़िया, मंत्री -निर्मल बुधिया "राज", उपमंत्री- सुनील पोद्दार, उपमंत्री - अमर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष - प्रमोद बगड़िया, आंतरिक अंकेक्षक -विकाश अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी- कौशल राजगढ़िया बने। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा की आगामी वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। अबतक 24 अध्यक्ष अपनी सेवा समाज को दे चुके है। मनोज चौधरी सभा के 25वे अध्यक्ष के रुप में दिनांक 25 जून 2026 को पदभार ग्रहण करेंगे। उपरोक्त जानकारी मुख्य चुनाव पदाधिकारी अशोक नारसरिया ने दी।

गुरूजी को पद्म भूषण सम्मान मिलना झारखंड के लिए गौरव का क्षण : स्पीकर

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) डॉ रबींद्रनाथ महतो ने झारखंड आंदोलन के नायक और दिशोम गुरु शिबू सोरेन को लोकसेवा के लिये मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किये जाने पर कहा कि यह सम्मान गुरुजी के त्याग और समर्पण की ऐतिहासिक स्वीकृति है। उन्होंने इसे झारखंड के लिए गौरव का क्षण बताया।

उन्होंने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि गुरुजी का जीवन सादगी, संघर्ष और प्रेरणा की मिसाल है।

एक आंदोलनकारी से मुख्यमंत्री तक का उनका सफर जनविश्वास और जनसंघर्ष की जीवंत गाथा है। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसेवा हमेशा यह साबित करता रहा कि सतत संघर्ष से ऐतिहासिक बदलाव संभव है। यह सम्मान झारखंड के संघर्ष का सम्मान है।

अलग झारखंड राज्य के निर्माण, झारखंडियों को उनके हक-अधिकार दिलाने में गुरुजी का योगदान इतिहास में अमिट है।

दिशोम गुरू को पद्मभूषण सम्मान मिलने पर झामुमो ने जताया हर्ष

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्मभूषण सम्मान दिए जाने पर हर्ष जताया है। पांडेय ने इसे झारखंड की जनता, आदिवासी समाज और अलग राज्य आंदोलन से जुड़े लोगों के संघर्ष का सम्मान बताया है। पार्टी की ओर से मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पांडेय ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक न्याय की लड़ाई को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि नेमरा गांव से शुरू हुआ उनका संघर्ष झारखंड राज्य निर्माण तक पहुंचा और उन्होंने लंबे समय तक वंचित एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में गुरुजी की पत्नी रूपी सोरेन द्वारा पद्मभूषण सम्मान ग्रहण करना राज्य के लिए गर्व का क्षण है। उनके अनुसार यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि झारखंड आंदोलन और उससे जुड़े संघर्षों की विरासत का सम्मान है। विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि शिबू सोरेन का सामाजिक और राजनीतिक योगदान व्यापक रहा है तथा उन्होंने किसानों, मजदूरों और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि शिबू सोरेन के राष्ट्र निर्माण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण में योगदान को देखते हुए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने पर विचार किया जाए।

दिशोम गुरु को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना झारखंड के लिए गौरव की बात : संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने झारखंड के युगपुरुष एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह सम्मान केवल एक महान जननायक का नहीं बल्कि पूरे झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और गौरव का सम्मान है। सेठ ने कहा कि दिशोम गुरु ने अपने पूरे जीवन में समाज को नशामुक्ति, शिक्षा, स्वावलंबन और कृषि से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका संघर्षपूर्ण जीवन अन्याय, अत्याचार और शोषण के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। वे सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को सम्मानित किया जाना झारखंडवासियों के लिए गर्व की बात : आदित्य

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने झारखंड के दिवंगत नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की है। साथ ही उन्होंने इसके लिए मोदी सरकार का आभार भी व्यक्त किया है। साहू ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से प्रदान किया गया यह सम्मान उनके आजीवन संघर्ष, जनसेवा, आदिवासी अधिकारों की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का राष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उन महान विभूतियों के योगदान को उचित सम्मान दे रहा है, जिन्होंने समाज और राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य भूमिका निभाई है। यह उसी कड़ी का हिस्सा है।

रातू में 68 टीबी मरीजों को मिली पोषण किट

बिभा संवाददाता

रातू (रांची): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रातू में 'निक्षय पोषण योजना' के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत सीएमपीडीआईएल एवं आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 68 टीबी (क्षयरोग) मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया।

यह गरिमामयी कार्यक्रम रातू के चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप की मुख्य उपस्थिति और देखरेख में संपन्न हुआ। पूरे रांची जिले में 1550 टीबी मरीजों को निरंतर पोषण कीट का वितरण पिछले पांच महीनों से किया जाता रहा है। झारखंड राज्य के राज्य टीबी अधिकारी श्री कमलेश, चेयरमैन डॉ धर्मेंद्र कुमार तथा रांची जिला टीबी अधिकारी डॉ बसकी के प्रमुख मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम पूरे रांची जिले में चलाया जा रहा हैं।

इस अवसर पर संस्थान के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस जनकल्याणकारी प्रोजेक्ट के अंतर्गत पूरे रांची जिले में कुल 1550 टीबी मरीजों को पोषण किट का वितरण किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मरीजों को सही पोषण प्रदान कर उन्हें इस बीमारी से जल्द से जल्द उबरने में मदद करना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में दोनों संस्थानों के प्रमुख टीम मेंबर्स ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। संस्थान की ओर से मुख्य रूप से अनी भूषण राय, दीपक कुमार, गुड्डू ठाकुर शामिल थे।

कार्यक्रम का संचालन राजीव रंजन ने किया। इस अवसर पर संजय कुमार, अमित कुमार , प्रभात रंजन एंव अरविन्द कुमार ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप ने सीएमपीडीआईएल एवं आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में ऐसी पोषण योजनाएं और संस्थागत सहयोग बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बीएयू में आईसीएआर पोषित अलसी बीज प्रसंस्करण केंद्र का शिलान्यास

बिभा संवाददाता

रांची । बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के कुलपति डॉ एससी दुबे ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के पश्चिमी सेक्शन में अलसी बीज प्रोसेसिंग केन्द्र का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि देश और झारखंड अपनी तिलहन आवश्यकताओं के लिए दूसरे देशों से आयात पर निर्भर है इसलिए अलसी का उत्पादन, उत्पादकता एवं क्षेत्र बढ़ाने के लिए सुनियोजित प्रयास की आवश्यकता है। इसके लिए किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराना हमें अपनी प्राथमिकता में शामिल करना होगा।

इस केन्द्र का निर्माण लगभग 35 लाख रुपए की लागत कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा आईसीएआर के भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से किया जा रहा है। चार महीने में इसके अंदर का निर्माण पूरा कर लिया जाना है।

अलसी बीज हब परियोजना के प्रभारी डॉ नरेश प्रसाद यादव ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है, जो न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है, बल्कि पोषण एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है।

इस बीज हब गोदाम एवं प्रोसेसिंग केन्द्र के निर्माण से अलसी बीजों के सुरक्षित भंडारण, संरक्षण एवं वितरण की व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इससे बीजों की गुणवत्ता बनी रहेगी, भंडारण के दौरान होने वाली क्षति में कमी आएगी तथा किसानों को समय पर प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेंगे।

यह केन्द्र भारत सरकार तथा आईसीएआर द्वारा संचालित तिलहन विकास कार्यक्रमों के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा झारखंड सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करेगा। झारखंड में वर्तमान में लगभग 35 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में तीसी की खेती होती है जिससे 21 हजार टन उत्पादन मिलता है। राज्य में प्रति हेक्टेयर उत्पादकता लगभग 610 किलो है।

इस अवसर पर आनुवंशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती, निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) डॉ शंभूनाथ कर्मकार, निदेशक (कार्य एवं संयंत्र) मनोज वर्मा तथा आनुवंशिकी विभाग के वैज्ञानिकगण उपस्थित थे।

देश में 15 राज्यों के भीतर 41 पेपर लीक से 1.4 करोड़ छात्रों का भविष्य लटका अधर में : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने देश में परीक्षाओं की बदहाली, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था के गिरते स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के बीच देश में लगभग 89 पेपर लीक के मामले सामने आए, जिसके कारण 48 बार दोबारा परीक्षाएं करानी पड़ीं।

यह बातें प्रदेश कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी, प्रदेश मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव, मीडिया संयोजक डॉ तौसीफ और प्रवक्ता सोनाल शांति ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में संयुक्त रूप से कही।

उन्होंने कहा कि एक अन्य अध्ययन के अनुसार, महज 05 वर्षों में 15 राज्यों के भीतर 41 पेपर लीक हुए। इससे मात्र 01 लाख से कुछ अधिक पदों के लिए संघर्ष कर रहे करीब 1.4 करोड़ अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया, जबकि सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में 03 से 10 साल की कैद और 10 लाख से 01 करोड़ रुपये तक के भारी जुमार्ने का नियम है। इसके बावजूद राजस्थान सहित कई राज्यों में पेपर लीक नहीं रुके, जो यह दशार्ता है कि सिर्फ कानून बना देने से जमीन पर बदलाव नहीं आया।

पार्टी नेताओं ने कहा कि सिर्फ चार बड़ी परीक्षाओं में हुई धांधली के कारण 01 करोड़ से ज्यादा छात्र प्रभावित हुए। नीट यूजी 2026 के लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुए और अब मामला सीबीआई जांच और उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इसी तरह से यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2024 पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परीक्षा रद्द हुई, जिससे 48 लाख छात्र प्रभावित हुए। सीटेट 2021 पेपर लीक की वजह से 28 लाख से अधिक उम्मीदवारों को झटका लगा। यूजीसी नेट 2024 परीक्षा होने के अगले ही दिन इसे रद्द करना पड़ा, जिससे 11 लाख छात्र प्रभावित हुए और दोबारा परीक्षा हुई।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: 25-**एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 22.06.2026** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल की रेलवे कॉलोनियों में संचार सुविधा का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 2,76,76,566,50, **बयाना राशि:** रु. 5,53,500/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 15.07.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in**

ASN-150/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

विद्यार्थी लोकहित, समाजहित व राष्ट्रहित में करें अपने ज्ञान का उपयोग : उपायुक्त अजय

बिभा संवाददाता

बोकारो। आपका ज्ञान और आपकी शिक्षा तभी सार्थक है जब यह लोकहित में काम आए। विद्यार्थी स्वयं पर भरोसा रखते हुए अपनी पढ़ाई पर फोकस करें और अपने ज्ञान का सदुपयोग लोकहित, समाजहित और राष्ट्रहित में करें। 10वीं कक्षा के बाद यही वह समय है, जहां से उन्हें लंबी छलांग लेनी है। ऐसे में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए केवल अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। ये बातें जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा (भाप्रसे) ने मंगलवार को दिल्ली पब्लिक (डीपीएस) बोकारो में 11वीं कक्षा के नव-नामांकित विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए अपने लक्ष्य व प्रदर्शन पर फोकस करेंगे तो पढ़ाई में तनाव नहीं आएगा। कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई आपके लिए ताउम्र काम आएगी। उन्होंने एनसीईआरटी पुस्तकों की भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण बताई। आज की नौजवान पीढ़ी को नशापान से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा कदम है, जो आपके पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है और तमाम सपने चूर-चूर हो सकते हैं। कभी-कभी उत्साह दुस्साहस में बदल जाता है। ऐसे में अपना निर्णय एवं उद्देश्य मजबूत रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा - हमारा समय कंप्यूटर से एआई तक आया और आपका जमाना एआई से शुरू हो रहा है। समय के साथ चलें। आगे काफी बदलाव होंगे। मूल्यों को बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और परिश्रम से पढ़ाई पर ध्यान दें। मोबाइल के संतुलित इस्तेमाल पर भी उन्होंने बल दिया। बेटियों को प्रोत्साहित करते हुए उपायुक्त श्री झा ने कहा कि महिलाएं सदैव इतिहास बदलने का हिस्सा रही हैं। कई कुरीतियां टूटी हैं, इसलिए बेटियां अपने-आप को भी बिखरने न दें। आप इतिहास बदलने के लक्ष्य से आगे बढ़ें। उन्होंने डीपीएस बोकारो के छात्र आदित्य मिश्रा के 12वीं बोर्ड में नेशनल टॉपर बनने पर बधाई दी तथा विद्यालय के शैक्षणिक प्रदर्शन की भूरि-भूरि सराहना की।

नेशनल टॉपर आदित्य हुए सम्मानित

समारोह के दौरान सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में साइंस स्ट्रीम के नेशनल टॉपर आदित्य मिश्रा को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर विद्यालय की ओर से समस्त विद्यार्थियों व अभिभावकों के समक्ष सम्मानित किया। अपने उद्गार में आदित्य ने विद्यालय के प्रति कृतज्ञता करते हुए अपने जूनियर साथियों को स्कूलिंग के महत्व, अनुशासन और नियमितता के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया। आदित्य ने काउंसलर विकास कुमार के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान भी अपने विचार साझा किए। इसके पूर्व, आरंभ में अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्जवलन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। समारोह के दौरान प्राचार्य ने अतिथियों को शॉल से अलंकृत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अनुष्का शर्मा एवं वाइस हेड गर्ल स्वर्णिम ने किया। जबकि, धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के वाइस हेड बॉय ध्रुव लोधा ने किया।

मेहनत ही सफलता का मार्ग : एसपी मीणा

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा (भापुसे) ने पढ़ाई के मामले में डीपीएस बोकारो के गौरवपूर्ण प्रदर्शन की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य स्वयं तय करने तथा इसके लिए निरंतरता बरकरार रखना की प्रेरणा दी। कहा कि सफलता आपके पास खुद चलकर नहीं आएगी, बल्कि मेहनत के रास्ते आपको सफलता तक पहुंचना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हर बच्चा खास है, सभी में अपनी विशिष्ट प्रतिभा है। कोई अपने-आप को नजरअंदाज न करें। एसपी श्री मीणा ने इस दौरान विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, मोबाइल के सतर्कतापूर्ण एवं संतुलित उपयोग तथा ट्रैफिक नियमों के अनुपालन से संबंधित बातें भी बताईं।

डीपीएस बोकारो एक शैक्षणिक कल्पवृक्ष : विकास

साइकोग्राफिक सोसाइटी, रांची के संस्थापक एवं निदेशक तथा जाने-माने काउंसलर विकास कुमार ने विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने आईआईटी-जेईई, नीट के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं वित्त के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं, उनके कट-ऑफ, अहर्ताओं एवं अन्य आवश्यक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि आगामी परीक्षाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए अभी से ही पूरी निष्ठा के साथ लग जाएं। डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक गरिमा अपने-आप में ऐतिहासिक रही है और आदित्य मिश्रा की सफलता के साथ एक बार पुनः इतिहास रच गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को डीपीएस बोकारो को कल्पवृक्ष के समान बताते हुए इसकी छत्रछाया में अपना करियर संवारने का संदेश दिया।

नैतिक मूल्य व ईमानदारी असल पूंजी : प्राचार्य डॉ. गंगवार

इसके पूर्व, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं के समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियां रेखांकित करते हुए इसकी गरिमा बनाए रखने हेतु बच्चों से पूरी ईमानदारी, मेहनत, निष्ठा, अनुशासन व नैतिक मूल्यों के साथ पढ़ाई करने की अपील की। कहा कि ये चीजें ही विद्यार्थियों की असल पूंजी हैं, जो जीवन में उन्हें आगे बढ़ाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल से परहेज करने पर भी बल दिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण: पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने जताया गर्व

बिभा संवाददाता

बोकारो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने आज खुशी और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि झारखंड की मिट्टी, संघर्ष की परंपरा और जनआंदोलन की भावना को जोड़कर देखा जाना चाहिए।

पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन झारखंड आंदोलन और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा, ‟शिबू सोरेन जी ने पूरे जीवन संघर्ष किया और हमारी सांस्कृतिक तथा सामाजिक पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस प्रतिष्ठित सम्मान से हर झारखंडी के मन में गर्व की अनुभूति हुई है।‟

बिरंची नारायण ने साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि इस सम्मान से देश में झारखंड आंदोलन की महत्ता और आदिवासी नेतृत्व की स्वीकार्यता को नई पहचान मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिबू सोरेन के संघर्ष और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे।

स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी पद्म भूषण के निर्णय का स्वागत किया है। अनेक समुदायिक नेताओं ने इसे राज्य की ऐतिहासिक गाथा और जनांदोलन के संघर्षों की न्यायोचित मान्यता बताया। बोकारो स्थित सिविल सोसायटी और छात्र संगठनों ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भावभीनी बधाई दी है।

बोकारो पुलिस का समकालीन अभियान, 42 वारंटी व आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो: पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोमवार रात बोकारो जिले में अपराध नियंत्रण एवं लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना एवं ओपी क्षेत्रों में छापेमारी कर कुल 42 वारंटी एवं कांडों के आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस द्वारा गठित विशेष टीमों ने सेक्टर-4, सेक्टर-12, हरला, बालीडीह, माराफारी, बालीडीह ओपी, चास थाना, पिंड्राजोरा, चास मुफस्सिल, सियालजोरी, अमलाबाद, चतरोचट्टी, चंद्रपुरा, जागेश्वर विहार, पेंक-नारायणपुर, कसमार, गांधीनगर, बेरमो तथा बीटीपीएस थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की।

अभियान के दौरान सेक्टर-4 और कसमार थाना से चार-चार, माराफारी एवं चास मुफस्सिल थाना से चार-चार, सेक्टर-12 और बालीडीह ओपी से तीन-तीन, जबकि अन्य थाना क्षेत्रों से एक या दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण, फरार वारंटियों की गिरफ्तारी तथा लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए इस तरह के समकालीन अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर-4 एफ में अभिभावक परिचय सत्र आयोजित

बोकारो (बिभा): एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल, सेक्टर-4ऋमें बुधवार को अभिभावक परिचय सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस ने किया और उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत हुए महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में अभिभावकों को अवगत कराया। प्राचार्य ने कहा कि बदलते शैक्षिक परिदृश्य में अभिभावकों का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें और उनके विषय चुनाव पर दबाव न बनाएं, बल्कि उन्हें अपने करियर के विकल्प चुनने का स्वतंत्र अवसर दें। प्राचार्य ने यह भी कहा कि शैक्षिक सफलता के साथ-साथ बच्चों के भावनात्मक व सांत्वनात्मक समर्थन में माता-पिता की भूमिका अहम है। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा दसवीं परीक्षा में प्रस्तावित बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से परीक्षा संरचना में परिवर्तन किए गए हैं। वर्ष 2027 से दसवीं बोर्ड परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी – फेज-वन फरवरी से मार्च और फेज-टू मई से जून तक। दोनों परीक्षाएं पूर्ण सिलेबस पर आधारित होंगी, लेकिन फेज-टू देना अनिवार्य नहीं होगा। स्कोर सुधारने के इच्छुक विद्यार्थी अधिकतम तीन विषयों की परीक्षा पुनः दे सकेंगे और फाइनल मार्कशीट में सर्वश्रेष्ठ अंक दर्ज किए जाएंगे।

भाजपा ने चास नगर उत्तरी में मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

चास (बोकारो)(बिभा) : भाजपा चास नगर उत्तरी इकाई ने रविवार को शहर के सभी शक्ति केंद्रों पर राष्ट्रीय नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि – बलिदान दिवस के रूप में मनाई। शक्ति केंद्र संख्या 14 पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा नगर उत्तरी अध्यक्ष राजेश घोषाल ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी ने डॉ. मुखर्जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अपने प्राण तक न्योछावर करने पड़े। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जो सपना था, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा हुआ। श्री त्यागी ने कहा कि एक देश, एक विधान, एक निशानह्व का नारा डॉ. मुखर्जी ने दिया था और भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में, उस विचार को सदैव आगे बढ़ाती रहेगी। सभा को भाजपा चास नगर उत्तरी के अध्यक्ष राजेश घोषाल ने संबोधित किया। कार्यक्रम में पन्नालाल कांदू, बुद्धेश्वर घोषाल, गोपाल साव, पप्पू चौरसिया, पीयूष गौरव, बैद्यनाथ धीवर, पिंटू पाल, सत्यनारायण स्वर्णकार, विश्वजीत पाल, शुभम बरनवाल, हिमांशु वर्मा, हर्षित कुमार, गोलू कुमार, दीपक सिंह, अजीत शर्मा, बिनोद कुमार और संजय कुमार सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध बालू खनन के दो ट्रैक्टर जप्त

बोकारो (बिभा) : बोकारो उपायुक्त के निर्देश पर मंगलवार को चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में चलाए गए छापामारी अभियान में अवैध रूप से बालू परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर पकड़े गए। ट्रैक्टरों को तेलमोचो से भतुआ जा रहे मुख्य पथ पर पकड़ा गया और विधि सम्मत जप्त कर चास मुफस्सिल थाना को सौंप दिया गया। अभियान में खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, चास मुफस्सिल थाना के प्रभारी प्रकाश मंडल तथा पुलिस बल मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्यवाही की जा रही है।

पद्म भूषण से सम्मानित होने पर जश्नः झामुमो बोकारो ने कहा, बाबा की गाथा झारखंड की जीत

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकताओं और झारखंडवासियों के लिए आज गर्व का पल रहा। महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा है कि झारखंड आंदोलन के मुख्य नायक आदरणीय बाबा को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना पूरे प्रदेश के लिए खुशी और मान की बात है। यादव ने बताया कि यह सम्मान झारखंड की आत्मा, अनवरत संघर्ष और आदिवासी, शोषित समुदायों की आवाज को मिले सम्मान का प्रतीक है।

मंटू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि बाबा का जीवन महाजनी प्रथा के खिलाफ विद्रोह से लेकर अलग राज्य की माँग तक निरंतर संघर्ष की कहानी है। उन्होंने कहा, ‟बाबा ने शांत राजनीति के माध्यम से समाज के प्रतिकूल प्रथाओं और अन्याय के खिलाफ जन-आन्दोलन को आगे बढ़ाया। उनका यह सम्मान उन सभी संघर्षों और बलिदानों का प्रतिफल है जो झारखंड के लोगों ने दशकों में दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नेता आज विभिन्न कार्यक्रमों और संवादों के माध्यम से इस सम्मान को यादगार बनाने के लिए एकत्रित हुए। मंटू यादव ने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे झारखंड आंदोलन और आदिवासी-शोषित समुदायों की सफलता है। उन्होंने सरकार और केंद्रीय प्राधिकरणों का आभार भी व्यक्त किया और इस मौके पर संगठन स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं ने कहा कि पद्म भूषण से सम्मानित होने से आने वाले दिनों में झारखंड के हक और सामाजिक न्याय के मुद्दों को और मजबूती मिलेगी। कई ने इसे युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया और आग्रह किया कि बाबा के दिखाए मार्ग पर चलकर समाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के कार्य और तेज किए जाएँ।

बोकारो की जनता और राजनीतिक पर्यवेक्षक इस सम्मान को राज्य की पहचान और इतिहास की मान्यता के रूप में देख रहे हैं। पार्टी ने आने वाले सप्ताह में सम्मान समारोह और जनसभाओं की श्रृंखला आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें व्यापक स्तर पर संगठनात्मक सहभागिता और जनसमर्थन जुटाने पर जोर दिया जाएगा।

कोयले की अवैध निकासी पर जांच व सख्त कार्रवाई की माँग व जेनामोड़ को अनुमंडल व पिंडराजोरा को प्रखंड बनाने को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

बिभा संवाददाता

बोकारो। जनता दल (यू) के बोकारो जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जमशेदपुर पूर्व के विधायक व वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सरजू राय से शिष्टाचार भेंट कर जिला से जुड़े कई जनहित व विकास संबंधी मांगों का विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य रूप से कोयले की अवैध निकासी, जेनामोड़ को अनुमंडल व पिंडराजोरा को पृथक प्रखंड देने तथा विस्थापितों के प्रमाणपत्र प्रदान करने की मांग उठायी।

प्रत्याशियों ने गोमिया प्रखंड के पचमो पंचायत, बगड़िया, लेइयो, दनिया और रहावन ओपी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे कोयले के अवैध खनन व निकासी पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय संपत्ति की निरंतर लूट हो रही है और राज्य को करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन में जेनामोड़ को अनुमंडल का दर्जा दिलाने की भी जोरदार माँग की गयी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जनसंख्या, व्यापारिक गतिविधियाँ व प्रशासनिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत यह क्षेत्र अनुमंडल बनने के सभी मानदंड पूरा करता है। अनुमंडल बनने पर स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी और विकास कार्यों में गति आयेगी, उनका कहना था।

विधायक सरजू राय ने प्रतिनिधिमंडल से बातचीत में आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़े इन मुद्दों को राज्य सरकार व संबंधित विभागों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जायेगा और आवश्यक कार्रवाई के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे।

इस अवसर पर जदयू के प्रदेश सचिव मनोज कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, जिला कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा सिंह, चंडी कुमार प्रजापति, पंकज कुमार, पप्पू कुमार, अधिवक्ता वकील महतो, श्याम बिहारी राय सहित अन्य कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे।

युवा उद्यमी वैल्यूएशन के साथ-साथ वास्तविक मूल्य सृजन पर दें ध्यान : अनिल अग्रवाल

बिभा संवाददाता

बोकारो: वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने युवा उद्यमियों को व्यवसाय निर्माण के मूल उद्देश्य को याद रखने की सलाह देते हुए कहा है कि किसी भी स्टार्टअप की वास्तविक सफलता केवल उसकी वैल्यूएशन से नहीं, बल्कि उसके द्वारा समाज, ग्राहकों और हितधारकों के लिए सृजित किए गए वास्तविक मूल्य से तय होती है.

अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए एक संदेश में अनिल अग्रवाल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम में वैल्यूएशन महत्वपूर्ण है और यह किसी उद्यम के लिए ऑक्सीजन की तरह है, लेकिन उद्यमियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने अपनी यात्रा केवल निवेश जुटाने या अगली फंडिंग राउंड तक पहुंचने के लिए शुरू नहीं की थी.

उन्होंने कहा कि अधिकांश उद्यमी किसी समस्या का समाधान खोजने, बाजार में मौजूद किसी कमी को दूर करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अपनी उद्यमशीलता की शुरूआत करते हैं. हालांकि, समय के साथ व्यवसाय बढ़ने पर अक्सर ध्यान केवल वैल्यूएशन, विकास की गति और अगले माइलस्टोन तक सीमित होकर रह जाता है.

अनिल अग्रवाल ने कहा कि दीर्घकालिक सफलता उन संस्थानों को मिलती है जो भरोसेमंद उत्पाद विकसित करते हैं, मजबूत टीमों का निर्माण करते हैं और ऐसे समाधान प्रदान करते हैं जो लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं. उन्होंने कहा कि बड़े परिवर्तन और स्थायी उपलब्धियां केवल आंकड़ों के पीछे भागने से नहीं, बल्कि मजबूत और सार्थक व्यवसाय खड़ा करने से हासिल होती हैं.

युवा उद्यमियों से अपील करते हुए उन्होंने आगे कहा कि वे सोच-समझकर निर्णय लें, जिम्मेदारी के साथ पूंजी जुटाएं और अपने मूल उद्देश्य को कभी न भूलें. उनके मुताबिक वैल्यूएशन महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे व्यवसाय के वास्तविक लक्ष्य और उद्देश्य पर हावी नहीं होने देना चाहिए.

बीएसएल दे रहा सर्कुलर इकोनॉमी को नई गति

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने भारत सरकार की सर्कुलर इकोनॉमी की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संसाधनों के कुशल उपयोग, अपशिष्ट न्यूनीकरण तथा सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयंत्र द्वारा संचालित विभिन्न ह्लवेस्ट टू वेल्थह्व (अपशिष्ट से संपदा) पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। इन प्रयासों ने न केवल आर्थिक लाभ सृजित किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

बीएसएल ने पहली बार बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) स्लज का सिंटर प्लांट में सफलतापूर्वक उपयोग किया है, जिससे लौह अयस्क फाइन्स की खपत में कमी आई है। इसी प्रकार, डीकैंटर टार स्लज का मिश्रित कोयले में पुनर्चक्रण कर उत्पादन लागत को कम करने के साथ-साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी लाने में सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, अपशिष्ट लाइमस्टोन फाइन्स के सिंटर निर्माण में प्रभावी उपयोग से उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित हुई है तथा फ्लक्स की खरीद पर होने वाले व्यय में भी कमी आई है।

बीएसएल ने ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का ग्रेनुलेशन सुनिश्चित करते हुए सीमेंट उद्योग को बड़े पैमाने पर इसकी आपूर्ति की है। इससे सीमेंट निर्माण में क्लिंकर की खपत कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है।

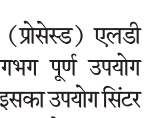

संयंत्र ने प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) एलडी स्लैग का भी लगभग पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया है। इसका उपयोग सिंटर निर्माण, इस्पात उत्पादन में बॉक्साइट एवं अन्य फ्लक्सों के विकल्प के रूप में, संयंत्र के लगभग 250 किलोमीटर लंबे आंतरिक रेलवे नेटवर्क में रेलवे बैलास्ट के रूप में तथा सड़क निर्माण परियोजनाओं में किया गया है।

इसके अतिरिक्त, संयंत्र ने मिल स्केल, ब्लास्ट फर्नेस फ्ल्यू डस्ट, ईएसपी डस्ट, कोक ब्रीज तथा फेरस स्लज जैसे उपोत्पादों और अपशिष्ट सामग्रियों का पुनर्चक्रण कर उन्हें मूल्यवान द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चे माल के रूप में उपयोग में लाया है। इन पहलों ने संसाधनों की पुनर्प्राप्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्राथमिक कच्चे माल पर निर्भरता को भी कम किया है। बोकारो इस्पात संयंत्र ने ब्लास्ट फर्नेस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कास्ट हाउस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कोल टार, अमोनियम सल्फेट, पिच, नैफ्थलीन उत्पाद, मिल स्केल स्लज, प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) स्लैग तथा पिग आयरन जैसे बाइ-प्रोडक्ट्स की बिक्री के माध्यम से भी उल्लेखनीय आर्थिक मूल्य सृजित किया है। जो सामग्री कभी अपशिष्ट मानी जाती थी, वही आज राजस्व सृजन के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों को किफायती द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चा माल उपलब्ध करा रही है।

संयंत्र के इन पहलों के परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई है, वहीं विभिन्न डाउनस्ट्रीम उद्योगों को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण सेकेंडरी कच्चा माल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है। निरंतर नवाचार, संसाधन संरक्षण और अपशिष्ट के प्रभावी पुनःउपयोग के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र सतत इस्पात निर्माण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है तथा भारत को लो-कार्बन और संसाधन-कुशल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की ये उपलब्धियां सर्कुलर इकोनॉमी, 'वेस्ट टू वेल्थ' तथा सतत विकास के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं। नवाचार, संसाधन दक्षता एवं बाइ-प्रोडक्ट्स के अधिकतम उपयोग के माध्यम से बीएसएल राष्ट्र के लिए आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों प्रकार के मूल्य सृजन की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

ओपन नेशनल रोलर स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप में आयुष ने जीता दो मेडल

बोकारो। 12वीं रैंकिंग ओपन नेशनल स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन रांची में रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 17 से 21 जून तक किया गया। डीपीएस का 12 वीं कक्षा का छात्र आयुष ओम दास ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 1000 मीटर रिंक रेस में झारखंड से दूसरा स्थान के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहा। महाराष्ट्र को प्रथम स्थान व मध्य प्रदेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि 500 मीटर रिंक रेस में तीसरा स्थान के साथ कांस्य पदक जीता। आयुष के पिता जीवन दास बोकारो स्टील प्लांट में डीजीएम के पद पर कार्यरत हैं व माता सुभाश्री दास सरकारी महिला पॉलिटेक्निक, बोकारो में लेक्चरर है। आयुष ने राष्ट्रीय स्तर की स्केटिंग प्रतियोगिता में दो पदक जीतने पर इसका श्रेय अपने माता-पिता, कोच और झारखंड सरकार को दिया।

मुहर्रम पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति एवं विधि-व्यवस्था की बैठक संपन्न

शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित आयोजन को लेकर उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति एवं विधि-व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार भी शामिल रहे।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आपसी एकता, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मुहर्रम पर्व मनानी है। उन्होंने सभी समुदायों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन एवं आत्मसंयम के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा आमजन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।उपायुक्त ने छड़वा डैम में लगने वाले मेले सहित अन्य संवेदनशील स्थलों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक तैयारियां करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी दंडाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्ति अवधि में पूर्ण सतर्कता बरतने तथा जिला नियंत्रण कक्ष से सतत संपर्क बनाए रखने को कहा।

उपायुक्त ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल गठित करने का निर्देश देते हुए कहा कि आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो, शॉर्ट्स एवं फोटो पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही प्री-रिकॉर्डेड भड़काऊ गीतों एवं डीजे के प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक विद्वेष फैलाने अथवा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की सुसंगत धाराओं के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार ने सभी से सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक एवं भड़काऊ सामग्री पोस्ट या साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया की निगरानी के लिए साइबर थाना को सक्रिय कर दिया गया है। निर्धारित मार्ग एवं समय पर जुलूस निकालने, आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देने का आग्रह किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को अंचल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भौतिक सत्यापन करने, पीसीआर वाहनों में आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने तथा किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध बीएनएस की धारा 107 एवं 126 के तहत कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक में सभी अखाड़ाधारियों को अपने-अपने तजिया की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शांति समिति के सदस्यों ने भी शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का भरोसा दिलाया तथा सदस्यों ने विभिन्न प्रखंडों से संबंधित जुलूस मार्गों की समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया, जिस पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

विद्युत विभाग को झूलते तारों को दुरुस्त करने एवं जिला नियंत्रण कक्ष में सक्षम पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने, नगर आयुक्त को पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को विभिन्न जुलूस मार्गों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। संबंधित पदाधिकारी को प्रमुख चौक-चौराहों एवं जुलूस मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सुविधाओं के दृष्टिकोण से सिविल सर्जन को आवश्यक स्थानों पर एम्बुलेंस सहित मेडिकल कैंप स्थापित करने, जिला नियंत्रण कक्ष में स्वास्थ्य पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया।मुहर्रम पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना अथवा असामाजिक गतिविधि की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष 8 0 0 2 5 2 9 3 4 8 , 8002529349 तथा साइबर सेल हेल्पलाइन 9430165939 पर दी जा सकती है।उपायुक्त ने अंत में सभी से अपील की कि वे पर्व को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाते हुए प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के विकास, सेवा और समर्पण के शानदार दो साल- बेमिसाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग; 24 जून 2024 का दिन हजारीबाग के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुआ था। जब हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लाल सांसद मनीष जायसवाल की बुलंद आवाज पहली बार देश के सर्वोच्च सदन संसद भवन में गूँजी थी। यह वह ऐतिहासिक पल था जब एक ओर विश्व नेता के रूप में स्थापित हिंदुस्तान के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने तीसरी बार जनादेश प्राप्त कर मोदी सरकार 3.0 की शुरूआत करते हुए शपथ ली थी। वहीं मनीष जायसवाल ने 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेते हुए अपने नाम के साथ अपने पिता का नाम जोड़कर मैं मनीष ब्रजकिशोर जायसवाल, ईश्वर की शपथ लेता हूँ... कहकर अपनी पितृ भक्ति और भारतीय संस्कारों का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया था। राजनीति में जहां अक्सर जनता और जनप्रतिनिधि के बीच दूरी देखने को मिलती है वहीं सांसद मनीष जायसवाल ने इस मिथक को तोड़ दिया और दिल्ली की चकाचौंध में भी हजारीबाग की आवाज बनकर तो गूंजें ही संसदीय कार्यों के बाद का पूरा समय अपने क्षेत्र में जनता के बीच खपाया। उनके सुख-दुःख का साथी बनकर क्षेत्र में जमें रहे। सांसद मनीष जायसवाल के बतौर संसदीय कार्यकाल का सफल दो वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

छडवा मोहर्रम मैदान से पोल और तार नही हटाना दुर्भाग्यपूर्ण : साजिद

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष साजिद अली खान ने ने पीस कमेटी कि बैठक मे शमिल होकर छड़वा मोहर्रम टांड के ऐतिहासिक विषयो से अवगत करवाते हूए साजिद अली ने कहा है कि छड़वा मोहर्रम टांड ऐतिहासिक धरोहर है जिसे विगत सैकड़ो वर्ष से सभी जात और जमात के लोगो ने इसे संजोकर रखा और वर्षो से इस टांड मे ऐतिहसिक मोहर्रम मेला आयोजित होता रहा है जिसमे प्रत्येक वर्ष लाखों-लाख कि संख्या मे गगन चूंबी निशान के साथ मेले मे विभिन्न गांव के लोग जुलूस के शक्ल मे शामिल होते है !परंतू दुर्भाग्यवश मोहर्रम टांड के बीचोंबीच ग्यारह हजार एंव तैतीस हजार वोल्टेज का तार ले जाया गया है जो किसी बडे हादसे का सकेंत दे रही है मोहर्रम कमिटी के द्वारा विगत वर्ष से ही जिला प्रशासन से इसे हटाए जाने कि लगातार मांग करने के बावजूद मामले मे प्रशासन का गभीर न होना दुर्भाग्यपूर्ण है !उक्त मामले को लेकर पूर्व मे वर्तमान अध्यक्ष मो मुख्तार अंसारी समेत सात सदस्य टीम अनवारउल हक,जमशेद खान,महबूब आलम, कमाल इराकी,नौशाद खान ,ओबी मल्लिक ने माननीय मंत्री दीपीका पांडेय सिंह से मुलाकात कर इस भयावह स्थिती से उन्हे अवगत कराया था तथपश्चात माननीय मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने तार और पोल को हटाने के अविलम्ब आदेश दिए थे परंतू उनके आदेश का ओहलना किया गया और ग्यारह और तैतीस हजार वोल्टेज का अब तक नही हटाया गया जो जांच का विषय और खेदजनक है !

अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में जन शिकायत निवारण का किया गया आयोजन

लातेहार(बिभा): उपायुक्त संदीप कुमार के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया।आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से बोरिंग में ईट पत्थर भरने संबंधित, पदस्थापन के संबंध में, पीएम आवास निर्माण के संबंध में, जमीन विवाद संबंधी जुड़े आवेदन आये। अपर समाहर्ता ने जन शिकायत निवारण में उपस्थित लोगों से एकझएक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल ने किया वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली का आयोजन

लातेहार/चंदवा (बिभा)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से ग्लिटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल, चंदवा द्वारा आज एक भव्य प्लांटेशन ड्राइव सह पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के शैक्षणिक प्रोजेक्ट वर्क के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने चंदवा पोस्ट ऑफिस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चंदवा, प्रखंड सह अंचल कार्यालय तथा चंदवा थाना परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर आम, अमरूद, गुलमोहर, आंवला, हर्रे, बहेरा, नीम एवं कटहल सहित फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं वृक्षों के महत्व से संबंधित प्रेरक नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद, सीआई गोविंदा कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी अशोक सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी एवं चंदवा डाकघर के पोस्टमास्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और विद्यार्थियों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की।विद्यालय के प्रधानाचार्य हिमांशु सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर पौधे लगाए गए हैं, वहां विद्यार्थी प्रत्येक माह जाकर उनकी स्थिति की समीक्षा करेंगे और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक कवर करने वाले सभी मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उत्साह और समर्पण की सराहना की।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में नीति आयोग के सूचकांकों की समीक्षा बैठक आयोजित

निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में गति लायें अधिकारी : उपविकास आयुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार : उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में नीति आयोग के सूचकांकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने नीति आयोग के सूचकांकों के अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, पेयजल, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिले के प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में प्रगति लाने तथा लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि नीति आयोग के सूचकांक जिले के समग्र विकास के महत्वपूर्ण मानक हैं। इन सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन से न केवल जिले की रैंकिंग में सुधार होगा, बल्कि आम नागरिकों तक सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ भी पहुंच सकेगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित सूचकांकों की वर्तमान स्थिति एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के क्रम में जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई, वहां सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया गया।

उप विकास आयुक्त ने सभी विभागों को नियमित रूप से आंकड़ों का अद्यतन करने, योजनाओं की जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाने तथा लाभुकों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, जिला कृषि पदाधिकारी नेहा निश्च, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, अन्य संबंधित उपस्थित थे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर उप विकास आयुक्त ने किया शुभारंभ, किया रक्तदान

बिभा संवाददाता

लातेहार: स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला समाहरणालय, लातेहार में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं रक्तदान कर समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया।उप विकास आयुक्त ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है, इसलिए जरूरत पड़ने पर केवल मानव द्वारा दिया गया रक्त ही किसी मरीज के लिए जीवनदाता बनता है।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि सभी स्वस्थ नागरिक स्वेच्छा से रक्तदान के लिए आगे आएं तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने में अपनी सहभागिता निभाएं। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह एक सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे अनेक लोगों को नया जीवन मिल सकता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं अन्य लोगों ने भी रक्तदान के प्रति अपनी सकारात्मक भागीदारी दिखाई तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, व अन्य उपस्थित थें।

प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करने से आने वाले युवाओं उत्साहित होते हैं : मित्तल

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मारवाड़ी प्रतिभा सम्मान मंच के सौजन्य से 16वां मारवाड़ी प्रतिभा सम्मान समारोह श्री मारवाड़ी धर्मशाला के सभागार में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामय अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं अग्रसेन फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

16वें मारवाड़ी प्रतिभा सम्मान समारोह में दसवीं तथा बारहवीं बोर्ड में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले अमन मोदी, सिद्धी अग्रवाल, दिव्यम जैन, नैना शर्मा, विधी अग्रवाल, शुभम अग्रवाल व विधी अग्रवाल के साथ आराध्य जैन (हॉफ मैराथन), पूरव जैन (इंसपायर अवार्ड), निश्छल गोयल (एमबीए), प्रवीण मित्तल (सीएमए), रौनक गोयल (एमबीबीएस), सार्थक अग्रवाल (पीजीडीएम) तथा सोनिया कुमारी (एलएलबी) के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि बसंत कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मारवाड़ी प्रतिभा सम्मान मंच समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित कर एक अनुकरणीय कार्य कर रहा है, जिससे अन्य युवा भी प्रेरणा लेंगे।

इस अवसर पर सचिव प्रभात कुमार अग्रवाल एवं संयुक्त सचिव उमेश राजगढ़िया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं मंच के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

उपाध्यक्ष गोविंद लाल अग्रवाल ने स्वागत भाषण में कहा कि किसी भी देश की प्रगति में शिक्षित एवं संस्कारवान युवाओं की भूमिका सर्वोपरि होती है। अध्यक्ष डॉ. ए. के. बेरलिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करना समाज का परम दायित्व है। यह उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पी. अग्रवाल ने बताया कि ?मेहनत, अनुशासन, समर्पण एवं शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मान देते हुए युवाओं को उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करना ही इस समारोह का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर श्याम सुंदर परसरामपुरिया, सुरेश बगडिया, ललित जैन, महेश बंसल सहित अनेक गणमान्य महिला पुरुष उपस्थित थे।

मारवाड़ी भाषा, लोक संस्कृति एवं पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित हुई भजन एवं लोकगीत प्रतियोगिता

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग : मारवाड़ी समाज की समृद्ध भाषा, लोक संस्कृति और पारंपरिक संगीत को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में मारवाड़ी भजन एवं लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रतिभागियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुमेर सेठी सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। नारी शक्ति शाखा की पदाधिकारी अंजू बुबना, परिता तांबी, अमिता बुबना, मंजू छाबड़ा, रेखा पाटनी सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की संयोजिका संगीता नारनौलिया एवं कविता अग्रवाल रहीं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका राखी अग्रवाल, रितिका खंडेलवाल, सुषमा पांडेय एवं फोर्टलिस फाउंडेशन के गोपाल शर्मा ने निभाई।प्रतियोगिता को विभिन्न ग्रुपों में बांटा गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।ग्रुप एः

प्रथम - नमन अग्रवाल

ग्रुप बीः,प्रथम-वर्धा खंडेलवाल,द्वितीय-गरिमा तिबरेवाल,तृतीय -अविष्का बंसल,ग्रुप सीःप्रथम -कुणाल खंडेलवाल,द्वितीय - पूजा खंडेलवाल,तृतीय-त्रिप्ति अग्रवाल,ग्रुप डीः

प्रथम- सुप्रिया अग्रवाल

द्वितीय - मंजू सेठी एवं सरोज बुबना,तृतीय - गरिमा रामरायका एवं सुरेंद्र अग्रवाल।

आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज की संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साह और सांस्कृतिक माहौल के साथ हुआ।

लातेहार में मोहर्रम की सप्तमी पर निकला भव्य जुलूस

अंसार नगर करकट से निकला जुलूस, थाना टोली चौक होते हुए चटनाही कर्बला पहुंचकर हुई चादरपोशी

बिभा संवाददाता

लातेहार। मोहर्रम की सप्तमी के अवसर पर सोमवार को लातेहार शहर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। अंसार नगर करकट से मोहर्रम का भव्य जुलूस निकाला गया, वही दूसरी जुलूस अमवाटिकर से निकली जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस थाना टोली चौक होते हुए चटनाही स्थित कर्बला पहुंचा, जहां पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ चादरपोशी की गई।

पूरे मार्ग में या अली, या हुसैन के गगनभेदी नारों से माहौल गूंजता रहा। जुलूस में शामिल युवाओं ने मातमी धुनों और धार्मिक नारों के साथ हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। श्रद्धालुओं ने कर्बला पहुंचकर अमन, शांति और भाईचारे की दुआ मांगी।मोहर्रम के अवसर पर शहर में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। जुलूस शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।सप्तमी के इस धार्मिक आयोजन में सभी समुदायों के लोगों ने सहयोग कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। पूरे शहर में श्रद्धा, अनुशासन और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। मौके पर अयुब अंसारी पूर्व सदर नसरुद्दीन अंसारी वार्ड पार्षद आरिफ अंसारी इस्लाम अंसारी अब्दुल गफर अंसारी जमशेद मुखिया। अमवाटीकर से रिजवान अंसारी मजीद खान शहीद खान गुड्डू अंसारी जावेद खान शारिक खान समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे

हत्या के आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास एवं 20 -20 हजार रुपए जुर्माना

बिभा संवाददाता

लातेहार। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह की अदालत ने हत्या के दो आरोपियों को सश्रम कारावास एवं 20 -20 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया है। प्रभारी जिला लोक अभियोजक शिव शंकर राम के अनुसार दिनांक 22 जनवरी 2023 को नेतरहाट स्थित ग्राम कोरगी के रहने वाले संतोष बिरजिया को उसके गांव के ही विनोद बिरजिया और अल्फोंस बिरजिया ने बांस के डंडा से पीट-पीट कर निर्मम हत्या कर दिया था। मृतक की पत्नी प्रतिमा देवी ने उक्त घटना की प्राथमिकी नेतरहाट थाना कांड संख्या 01/2023 दर्ज कराया था। सूचिका ने बताया था कि दिनांक 22 जनवरी 2023 को करीब 1:00 बजे उनके पति घर के आंगन में अपने दो दोस्तों के साथ बातचीत कर रहे थे इसी बीच विनोद बिरजिया और अल्फोंस बिरजिया उसके घर में आ गए और वह उनके पति से उलझ गए और पति-पत्नी दोनों की डंडे से पिटाई करने लगे। बुरी तरह से वह पीट रहे थे सूचिका बेहोश हो गई और किनारे फेंका गई कुछ क्षणों के बाद उसे होश आया तो वह चुपचाप घटना को देखते रही। सूचिका ने चश्मदीद गवाह के तौर पर बताया है कि उक्त दोनों आरोपियों ने लगातार उसकी पति की तब तक पिटाई किया जब तक वह मर नहीं गए। उक्त मामले का विचारण श्री सिंह की अदालत ने सत्रवाद 154/23 के तहत चल रहा था। अभियोजन की ओर से कुल 11 गवाहों को अदालत में पेश किया गया। कई गवाहों ने मामले को सही बताते हुए कहा कि वेलोग आरोपियों को पीटने से मना कर रहे थे लेकिन वह किन्हीं की नहीं सुने और लगातार निर्मम तरीके से संतोष बिरजिया को पीटते रहे। जिससे उनकी जान मौके वारदात पर ही निकल गई। श्री सिंह की अदालत ने भादवि की धारा 302/ 34 के तहत दोनों आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास एवं 20-20 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया है। श्री सिंह की अदालत ने जुमार्ना नहीं देने पर 6 महीने का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाया है। अदालत ने अपने आदेश में जुमार्ना की राशि की आधी राशि का भुगतान मृतक के परिजनों को करने का आदेश पारित किया है, वहीं धारा 357 ए सीआरपीसी के तहत सूचिका को क्षतिपूर्ति की राशि दिलाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार को आदेशित किया है।

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

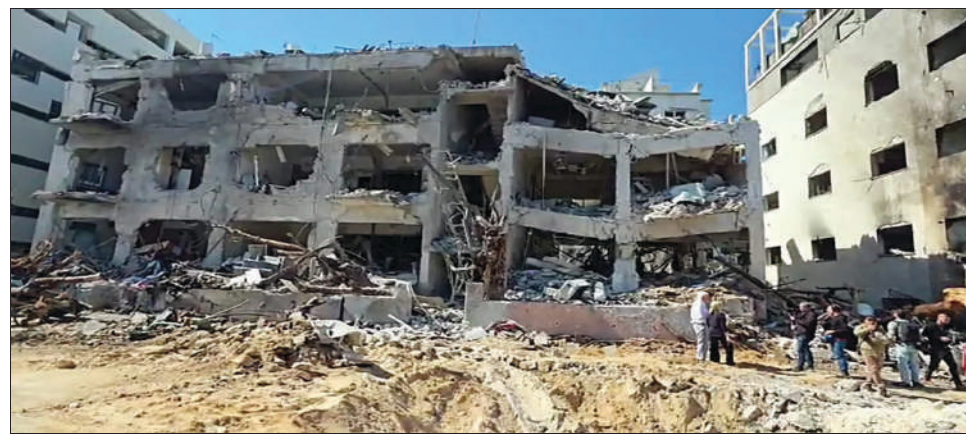

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य श्रृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

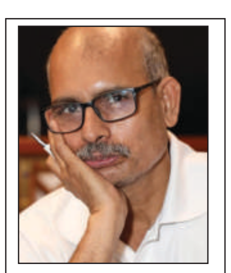
विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चर्चाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चर्चाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चर्चाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चर्चाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवाल: आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग ?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें ?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

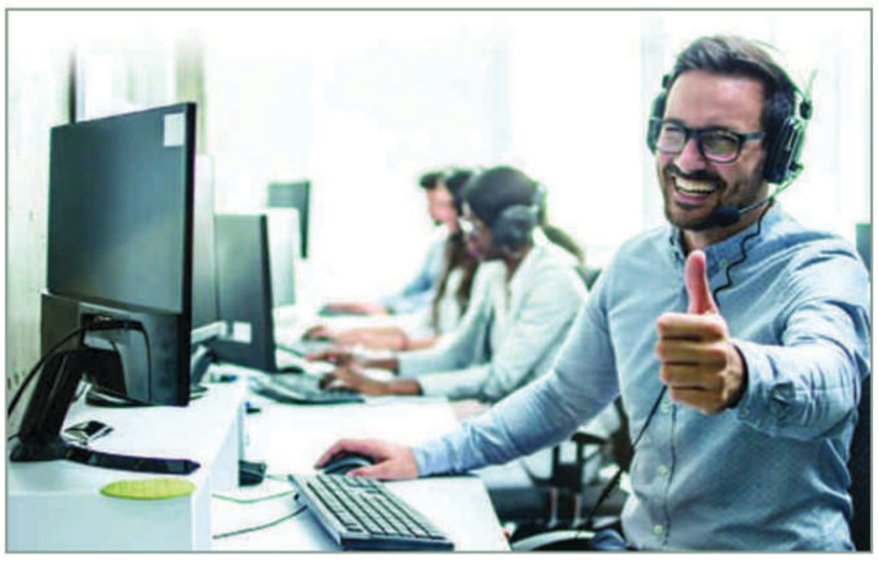

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

ढोल-नगाड़ों के साथ खुले बाबा महाकाल के कपाट, त्रिशूल, त्रिपुण्ड से हुआ श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, त्रिपुण्ड और ड्रायफ्रूट से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। पहले महाकाल को शमशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार भस्म का इस्तेमाल होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरुरी है। बाबा महाकाल की आरती देखने बड़ी हस्तियां भी आती हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहती है।

10 साल की मासूम से रेप, हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ममता बनर्जी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-भवानीपुर के ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षित रखे जाएं, जरूरत पडऩे पर जांच होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई की। कोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी अहम साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जरूरत पडऩे पर उनकी जांच होगी। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र रहे शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री शुभेंदु उनके सलाहकार सुभ्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाने का आदेश दिया गया है। भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व सीएम ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

एक मोबाइल नंबर से खुला 3000 करोड़ का फर्जीवाड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में सगे भाइयों द्वारा 3000 करोड़ से अधिक के विशाल फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। संगठित गिरोह ने बिना किसी वास्तविक खरीद-बिक्री के, केवल कागजों पर हजारों करोड़ का टर्नओवर दिखाया। आरोप है कि उन्होंने गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी का दुरुपयोग कर 27 फर्जी कंपनियाँ बनाईं। इन कागजी कंपनियों के ज़रिए 720 करोड़ के फर्जी बिल काटे गए, जिससे सरकार से 108 करोड़ का अनुचित टैक्स लाभ लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोड़ किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग-अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। कुल 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ नकद निकाले गए। यह घोटाला 2018 से 2024 तक चलता रहा। बैंक अधिकारियों की सूचना पर 2024 में डीजीजीआई ने जाँच शुरू की और 9 अक्टूबर 2024 को रेड कर मास्टरमाइंड भाइयों को गिरफ्तार किया। 9 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके उपरांत ईडी ने मामले की गहनता से जाँच की और 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। कमिश्नर के आदेश पर अमित गोयल सहित पाँच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राष्ट्रव्यापी श्रद्धांजलि, पीएम मोदी, सीएम सुवेंदु ने किया याद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला श्मशान घाट में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी कोलकाता में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून, 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में श्रीनगर की एक जेल में हुआ था। उन्हें बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हमने तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने कितना संघर्ष किया...अब यहां पर हैं

-तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में आलोचकों को दिया करारा जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उन आलोचकों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उनकी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को एक्टर की पार्टी कहा है। मंगलवार सुबह विधानसभा में दिए भाषण में उन्होंने अप्रैल-मई के चुनावों में टीवीके की सफलता की ओर इशारा करते हुए आलोचकों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी कितनी सफल रही है। अपने दमदार भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। केंद्र सरकार का गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपना और नीट को खत्म करने की मांग। उन्होंने टीवीके की राजनीतिक ताकत और अपनी प्रशासनिक समझ पर शक करने वालों और आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया।

विजय ने विधानसभा को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया है और न तो पार्टी और न ही उनका खुद का इरादा कभी खत्म होने का है। उन्होंने कहा कि हमें आसानी से सत्ता नहीं मिली। सिर्फ हम ही जानते हैं कि तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया। कुछ लोग ऐसा दिखावा करते हैं जैसे वे समझते नहीं हैं और हमारी आलोचना करते हैं, कहते हैं वह तो बस एक एक्टर की पार्टी है।

सीएम विजय ने कहा कि हम ऐसी आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। हमारी राजनीति साफ़-सुथरी है। हमें 35 फीसदी वोट मिले। कुछ लोग कहते हैं कि हम बहुत आसानी से सत्ता में आ गए... लेकिन हमने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया। हमने हर चीज़ का सामना किया...और आज हम यहां पर हैं। अभी लंबा सफ़र तय करना है। नीट जो देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए एक ही क्वालिफाइंग परीक्षा है इस पर चल रहे विवाद पर विजय ने कहा कि यह सिस्टम असमानता पैदा करता है और उन्होंने इसे खत्म करने की मांग की।

पिछले कुछ सालों में नीट परीक्षा विवादों का केंद्र रही है, जिसमें परीक्षा के दबाव के कारण छात्रों की आत्महत्या से लेकर प्रश्न पत्रों के लीक होने तक की घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने देश में चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता को धूमिल किया है। तमिलनाडु ने बार-बार परीक्षा रद्द करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर सीटें आवंटित करने की मांग की है और हिंदी को थोपने के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य में एक संवेदनशील मुद्दा है और जिस पर अतीत में हिंसक दंगे भी हुए हैं। नए सीएम विजय ने जोर देकर कहा कि मौजूदा दो-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी पर्याप्त है।

ईरान जंग में इजराइल-अमेरिका से ज्यादा भारतीय मरे

-अमेरिका के 13, इजराइल के 24 तो भारत के 25 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध में इजराइल और अमेरिका से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। वो भी तब, जब भारत इस जंग में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। सोमवार (22 जून) को कतर के रास लाफान पर हमले में 12 भारतीयों की मौत हो गई, जिसके बाद युद्ध की चपेट में आने से मरने वाले भारतीयों की संख्या 25 पर पहुंच गई है। वहीं इस युद्ध में अमेरिका के 13 तो इजराइल के 24 नागरिक मारे गए हैं। युद्ध में इजराइल के हमले से सबसे ज्यादा लेबनान के 4 हजार और ईरान के 3600 लोग मारे गए हैं। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई से लेकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख मोहम्मद पाकपूर और ईरान सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारिजानी तक की हत्या हो चुकी है। कतर के रास लाफान के अलावा भारत के 6 नागरिक होर्मुज में मारे गए। इनमें 3 नागरिकों की मौत अमेरिकी हमले में हो गई। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री को फोन कर इस पर प्रतिरोध जताया था। इसके अलावा कतर में ही पिछले दिनों एक हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एक भारतीय की मौत कुवैत में ईरान के हमले के दौरान हो गई थी। यूएई में भी भारतीय मारे जा चुके हैं। यानी कुल मिलाकर ईरान जंग में अब तक 25 भारतीयों की मौत हो चुकी है।

अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अलंकृत

-शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, ममूटी और विजय अमृतराज भी हुए सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'सिविल इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2' में वर्ष 2026 के लिए 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरेन, प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इस दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले मई में आयोजित पहले समारोह में भी 65 लोगों को पद्म सम्मान दिए गए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान ग्रहण किया। वहीं, लोकप्रिय पार्श्व गायिका अलका याग्निक को भी उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पी. नारायणन और सेवानिवृत्त न्यायाधीश के. टी. थॉमस को क्रमशः साहित्य एवं शिक्षा तथा जनसेवा के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर महेंद्र नाथ रॉय को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि विदेशी नागरिकों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अमेरिका के चिकित्सक डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी को पद्म भूषण दिया गया, जबकि रूस की ल्यूडमिला खोखलोवा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जॉर्जिया के व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली को मरणोपरांत खेल क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाज सेवा और जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- 'अभी और भी झटके लगेंगे'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य 'जोर का झटका' लगने की वजह से अपना 'मानसिक संतुलन' खो बैठे हैं और उन्हें 'और भी झटके' लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है।

विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है।

उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, ''सवालों के जवाब देने और 'ध्यानाकर्षण प्रस्तावों'' के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा,'' मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री भी खुद आकर जवाब देते हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।''

शिवसेना नेता ने विरोध कर रहे सदस्यों पर तंज कसते हुए कहा, ''जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।'' विपक्षी खेमे की खाली कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है। उन्होंने संभवतः शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के बुधवार को पाला बदलकर शिवसेना में शामिल होने का संदर्भ देते हुए कहा, ''कल उन्हें ज़ोर का झटका लगा। उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें आगे और भी झटके लगने वाले हैं।

चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू यूपी के मुजफ्फरनगर में ढेर

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। देश के चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस अब उसके माफिया डॉन छोटा राजन गैंग से ताल्लुकात होने की जांच में जुटी है। सत्तू को चार राज्यों पंजाब, यूपी, चंडीगढ़ और दिल्ली पुलिस तलाश कर रही थी। यूपी के मुजफ्फरनगर में कुख्यात बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू के साथ सोमवार देर रात सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई, इसी दौरान वो मारा गया। पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि 19 जून को एक नाबालिग युवती का अपहरण कर ले जाने वाला बदमाश क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इसी को लेकर पुलिस सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रुड़की रोड पर बामनहेड़ी में जब संदिग्ध वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने उसकी कार को रुकने का इशारा किया। इसी दौरान खुद को घिरता देख कार सवार बदमाश ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए जब आत्मरक्षा में ज़वाबी फायरिंग की। इसी पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से वो घायल हो गया। इस मुठभेड़ में इस बदमाश की गोली से एक सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ और सिपाही अंकित भी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने घायल बदमाश और दोनों पुलिस कर्मियों को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से घायल बदमाश की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इसमें इलाज के दौरान घायल हुए बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू ने मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू चंडीगढ़ का रहने वाला था। उस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने भी उस पर घोषित कर रखा था। इस शातिर बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू की गिरफ्तारी के लिए मुजफ्फरनगर एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने 10 टीमों को लगाया था। इस दौरान 1000 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद ये जानकारी जुटाई थी कि ये शातिर बदमाश एक बड़ा क्रिमिनल है, जो पूर्व में 15 साल जेल में बिता चुका है और फरवरी 2026 में ये शातिर लुधियाना जेल से फरार हुआ था।

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुर्शीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई त्रासदी हो सकती है? खुर्शीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सज़ा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में ज़रा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इसतरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुप्रबंधन, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थागत ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

-एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

-परिजनों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के दावों की पोल खुली: सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान सुरक्षित और ऑपरेशनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नभारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने आधिकारिक दस्तावेज जारी कर पाकिस्तान के उन मनगढ़ंत दावों को ध्वस्त किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही जा रही थी। इस दस्तावेज़ से पुष्टि होती है कि भारत के पास फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान पूरी तरह से सुरक्षित और ऑपरेशनल हैं। इस तरह भारत के राफेल पर गलतबयानी करने वाले पाकिस्तान को फिर करारा तमाचा लगा है।

एयर मुख्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ इंजीनियरिंग (राफेल) द्वारा 15 जून, 2026 को फ्रांस की सैफ्रान एयरक्राफ्ट इंजिन्स को भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में बताया गया हैं कि भारतीय वायुसेना 2016 के भारत-फ्रांस सरकारी समझौते के तहत प्राप्त सभी 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है। यह टेंडर सितंबर 2026 के बाद भी इन विमानों के निर्बाध रखरखाव और तकनीकी सहायता की आवश्यकता पर केंद्रित है, विशेषकर अगले पाँच महीनों की अंतरिम अवधि के लिए।

36 राफेल विमानों के पूरे बेड़े के लिए समर्थन पैकेज का यह प्रस्ताव पाकिस्तान के उन झूठे प्रचार को सिरे से खारिज करता है, जिसमें दावा किया रहा था कि भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना और उसके समर्थक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन राफेल विमानों के नष्ट होने और यहां तक कि भारतीय महिला पायलट को पकड़ने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाए थे। हालांकि, आईएएफ के हालिया दस्तावेज में बेड़े की संख्या में किसी भी कमी का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह सभी 36 विमानों की निरंतर परिचालन आवश्यकताओं का हिसाब देता है।

दस्तावेजों के अनुसार, सपोर्ट पैकेज का उद्देश्य सभी 36 राफेल विमानों को चालू हालत में बनाए रखना है। इसके तहत प्रत्येक विमान के लिए औसतन सालाना 150 घंटे की उड़ान तय की गई है, जिससे पांच महीने की ब्रिज पीरियड के दौरान कुल 2,250 घंटे की उड़ान का अनुमान है। यह ब्रिज सपोर्ट 18 सितंबर, 2026 के बाद विमानों के संचालन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि रखरखाव और समर्थन अनुबंध आम तौर पर ऑपरेटर के पास मौजूद वास्तविक इन्वेंट्री पर आधारित होते हैं, और 36 विमानों के पूरे बेड़े का बार-बार उल्लेख पाकिस्तान के राफेल नुकसान के दावों पर और प्रश्नचिह्न लगाता है। आईएएफ चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहले ही पाकिस्तान के इन दावों को मनोहर कहानियां करार दिया था। वायुसेना के राफेल बेड़े के लिए ये सपोर्ट टेंडर सैफ्रन एयरक्राफ्ट इंजन को भेजा गया है, जो राफेल के एम88 इंजन बनाने वाली मूल कंपनी है। ये 36 राफेल विमान आईएएफ के नंबर 17 स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज़ और नंबर 101 स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर

शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द वातावरण में मनाएं मुहर्रम पर्व : एसडीओ

बिभा संवाददाता

उधवा । मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर मंगलवार को राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो ने किया। शांति समिति की बैठक में जनप्रतिनिधि,बुद्धिजीवी एवं अखाड़ा समिति के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि मुहर्रम के जुलूस केवल लाइसेंस प्राप्त अखाड़ों द्वारा ही निकाले जाएंगे। कहा कि इसके लिए प्रशासन द्वारा पूर्व से निर्धारित मार्ग का ही उपयोग किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील किया। वहीं राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील किया। वहीं कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने बिजली की समस्या को लेकर एसडीओ सदानंद महतो से मौखिक शिकायत की। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती से आमलोग काफी परेशान है। संबंधित समस्या को लेकर बिजली विभाग के पदाधिकारी से संपर्क करने पर फोन तक रिसीव नहीं करते है। उनका कहना है कि अगर पदाधिकारी फोन रिसीव नहीं करेंगे तो समस्या के बारे में उन्हें सही जानकारी कैसे मिलेगी। मौके पर अंचलाधिकारी उधवा आशीष कुमार मंडल, बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एसआई पंकज दुबे, एएसआई हाकिम मुर्मू, कान्हू मुर्मू, ऐनुल हक अंसारी, अय्यूब अली, एखलाकुर रहमान, काजू मल्लिक, अनवारूल हक, जहांगीर अली, सुनील प्रमाणिक, धर्मराज मंडल, टिपू सुल्तान, वहीदुल इस्लाम, संजीव मंडल, इंद्रजीत मंडल, महबूब आलम, अधीर मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

मुहर्रम पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील, सोशल मीडिया पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को तालझारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तालझारी अंचलाधिकारी सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने की। वहीं बैठक में उपस्थित दोनों समुदायों के लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों ने आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। वहीं सीओ राम सुमन प्रसाद ने कहा कि मुहर्रम का आयोजन सरकार की निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप ही किया जाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचने की सलाह देते हुए कहा कि किसी भी वीडियो या पोस्ट को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य कर लें। गलत या भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने वालों पर साइबर सेल की कड़ी नजर रहेगी। वहीं थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा कि स्थानीय पुलिस के साथ-साथ साइबर सेल की टीम भी सोशल मीडिया गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखेगी। उन्होंने लोगों से व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिना सत्यापन के कोई भी भड़काऊ संदेश साझा नहीं करने की अपील की। साथ ही बैठक में मुहर्रम जुलूस को निर्धारित समय पर निकालने और समय पर संपन्न कराने पर भी जोर दिया गया। साथ ही कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया जाए। उन्होंने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने या किसी भी प्रकार का उपद्रव करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एएसआई मनीष रंजन, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जोसेफ, छट्ठू प्रसाद, मो. जहांगीर, मो. खालिक, मो. अब्दुल सत्तार, लखन पंडित, मो. मजहर अंसारी समेत दोनों समुदायों के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आम के पेड़ में लटका मिला युवक का शव, छानबीन में जुटी पुलिस

उधवा (बिभा)। राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत खट्टीटोला गांव में मंगलवार की सुबह आम का पेड़ में एक युवक का शव फंदे से लटका मिला है। जिससे इलाकें में सनसनी फैल गई। मृतक युवक की पहचान स्व. नुर मोहम्मद के पुत्र हबीब शेख (25) वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक सुबह जब परिवार के सदस्य उसे ढूंढ रहे थे। तब घर के पीछे आम के पेड़ पर उसका शव लटका दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही आसपास लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही राधानगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक शशिकांत यादव दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोर्स्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेज दिया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक काफी शांत व्यवहार का था। यह भी बताया गया कि मृतक का पिता का कुछ दिन पूर्व जहर खाने से मौत हुई है। मामला हत्या है या आत्महत्या यह पोर्स्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो पायेगा। इस संबंध में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ व सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण

तालझारी (बिभा)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को तालझारी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में दूसरे दिन बीएलओ एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने की। वहीं प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र के 216 से 246 मतदान केंद्रों के पोषक क्षेत्र में मैपिंग एवं अनमैपिंग मतदाताओं की गणना तथा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षक संगीता कुमारी ने बीएलओ को नए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण, गणना पत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरने की विधि, घर-घर जाकर गणना प्रपत्र संग्रह करने तथा निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी बीएलओ को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करना होगा और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करना होगा। साथ ही जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, उनका भी गणना प्रपत्र भरा जाएगा। मौके पर नोडल पदाधिकारी नवीन कुमार, संगीता कुमारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गायत्री जयंती आज, पांच कुंडीय हवन यज्ञ के साथ होगा भव्य आयोजन

साहेबगंज(बिभा) । अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से बुधवार को गायत्री शक्तिपीठ में गायत्री जयंती श्रद्धा, भक्ति और वैदिक अनुष्ठानों के साथ मनाई जाएगी। आयोजन को लेकर शक्तिपीठ परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस अवसर पर युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के महाप्रयाण दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी। वही गायत्री शक्तिपीठ में सोमवार और मंगलवार को महिला मंडल की सदस्यों ने मंदिर परिसर, गर्भगृह एवं यज्ञशाला की व्यापक साफ-सफाई कर आयोजन को भव्य स्वरूप देने की तैयारी पूरी की। देवालय संचालन प्रभारी सरिता पोद्दार ने बताया कि गायत्री जयंती के अवसर पर पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि नियमित रूप से हवन-यज्ञ में योगदान देने वाले पुरोहितों एवं परिव्राजकों को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के महाप्रयाण दिवस पर विशेष श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी, जिसमें उनके जीवन, विचार और समाज निर्माण में योगदान को याद किया जाएगा। वही आयोजन के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। गायत्री जयंती को गायत्री परिवार में विशेष आध्यात्मिक महत्व का पर्व माना जाता है, जिसे देशभर के शक्तिपीठों में श्रद्धा और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया जाता है। वहीं तैयारियों में सरिता पोद्दार, करुणामयी भारती, संगीता कुमारी, अनिता देवी, निभा देवी, रेखा देवी, अनु गुप्ता, सुजाता सिंह सहित महिला मंडल की कई सदस्य सक्रिय रूप से जुटी रहीं।

बिना लाइसेंस चल रहा था विवाह भवन, नगर निगम ने आरएस प्लेस को किया सील

धनबाद(बिभा)। धनबाद नगर निगम ने बिना लाइसेंस संचालित हो रहे विवाह भवनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को निगम की टीम ने झरिया के इंदिरा चौक स्थित आरएस प्लेस विवाह भवन पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। जांच के दौरान पाया गया कि सज्जन लाल के स्वामित्व और संचालन में चल रहे इस विवाह भवन के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं था। निगम की ओर से पहले ही संचालक को नोटिस और सार्वजनिक सूचना के माध्यम से लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय तक आवेदन नहीं किया गया। इसके बाद झारखंड शहरी क्षेत्र धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज एवं हॉस्टल निर्माण और अनुज्ञप्ति नियमावली 2013 तथा झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत कार्रवाई करते हुए निगम ने प्रतिष्ठान के संचालन पर रोक लगा दी और परिसर को सील कर दिया।

रेल मार्ग से शराब तस्करी का भंडाफोड़, 47 लीटर विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष जांच अभियान में करीब 47.16 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 36 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। जिसकी जानकारी बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने देते हुए बताया कि सूचना मिली थी कि स्टेशन के वेटिंग हॉल के समीप दो संदिग्ध व्यक्ति ट्रॉली बैग और अन्य सामान के साथ खड़े हैं। सूचना के सत्यापन के लिए एएसआई जे.के. दुबे समेत आरपीएफ की टीम गठित कर स्टेशन परिसर में सघन जांच अभियान चलाया गया। वहीं जांच के दौरान दोनों संदिग्धों से पूछताछ की गई, लेकिन वे अपने सामान के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इतना ही नहीं, उन्होंने बैग की जांच कराने से भी इंकार कर दिया और आरपीएफ टीम से बहस करने लगे। इसके बाद यात्रियों की मौजूदगी में उनके सामान की तलाशी ली गई। वहीं तलाशी के दौरान बेगूसराय (बिहार) निवासी परशुराम राय के बैग और झोले से कुल 86 पाउच ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की बरामद हुई। वहीं, दूसरे आरोपी विकेश ठाकुर के दो ट्रॉली बैगों से कुल 176 पाउच शराब बरामद की गई। दोनों के कब्जे से कुल 262 पाउच विदेशी शराब जब्त की गई। साथ ही इंस्पेक्टर ने बताया कि बरामद शराब की मात्रा निर्धारित व्यक्तिगत सीमा से कई गुना अधिक थी, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला अवैध व्यावसायिक परिवहन का प्रतीत हुआ। जब्त शराब और बैगों को विधिवत जब्त कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। कहा सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद गिरफ्तार आरोपियों, जब्त शराब, जब्ती सूची एवं अन्य दस्तावेजों को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग, साहेबगंज के उपनिरीक्षक दीपक कश्यप को सौंप दिया गया। साथ ही आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि रेलवे के माध्यम से शराब तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह(बिभा)। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 73वें बलिदान दिवस पर मंगलवार को गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत चंदौरी मण्डल में उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर मरांडी ने कहा कि देश की भयावह हालात और कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति को देखकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी कुलपति का पद छोड़कर राजनीति में आए। राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए उनका योगदान अद्वितीय रहा है। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनका संघर्ष और बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा। ३एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे३ का उनका यह अटूट संकल्प और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण आज भी हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। मरांडी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर देश में राष्ट्र प्रथम की राजनीति का मार्ग प्रशस्त किया। इतना ही नहीं, जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राण तक को न्यौछावर कर दिया। विभाजनकारी शक्तियों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया और अपने आदर्शों के लिए सत्ता का त्याग कर दिया। मरांडी ने कहा कि उनके आदर्शों को आत्मसात करके ही विकसित भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता उनकी नीतियों और राष्ट्रसेवा के संकल्प को आत्मसात करते हुए पूरी निष्ठा एवं कर्तव्यभाव के साथ राष्ट्र की सेवा में निरंतर जुटा हुआ है।

बीडीओ ने किया प्रखंड स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को पीएम पोषण के तहत प्रखंड स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने मध्याह्न भोजन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में विद्यालयों में मध्याह्न भोजन बंद नहीं होना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रतिदिन मेनू की अनुसार मध्याह्न भोजन,पाठशाला और विद्यालय परिसर में साफ सफाई, शत - प्रतिशत एसएमएस, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रोबिन मंडल, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत, सीआरपी अशोक पाल, रुहुल अमीन, द्विजेंद्र मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

वज्रपात का कहर: बारिश बनी काल, 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत से गाँव में पसरा मातम

बिभा संवाददाता

बरहरवा । मंगलवार को भीषण गर्मी से राहत दिलाने वाली बारिश एक परिवार के लिए जिंदगी का सबसे बड़ा दुख लेकर आई। तेज बारिश के दौरान आसमान में गूंजती कड़कड़ाहट के बीच गिरी आकाशीय बिजली ने 35 वर्षीय अर्जुन साहा की जान ले ली। जानकारी के अनुसार बरहरवा प्रखंड की सतगाछी पंचायत स्थित मलिन गाँव में अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आने से अर्जुन साहा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि अर्जुन साहा अपने परिवार के सहारे थे। उनके निधन से पत्नी और मात्र 5 वर्षीय पुत्र के सिर से पिता का साया उठ गया। इधर घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गाँव के लोग भी इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध हैं। वहीं गर्मी से राहत देने वाली बारिश ने जिस तरह एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं, उससे पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है।

कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर होगी सख्त कार्रवाई : बीईईओ

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड्ल्ली में मंगलवार को सभी सचिवों की गुरु गोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रॉबिन मंडल ने किया। इस दौरान बीईईओ रॉबिन मंडल ने उपस्थित सभी सचिवों के साथ मासिक समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में मध्याह्न भोजन बंद नहीं होना चाहिए। उन्होंने बैठक में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों की उपस्थिति,लेशन प्लान फॉर ऑल टीचर,अपार आईडी,टेस्ट बुक डिस्ट्रीब्यूशन, रेल एसए-1 व एसए-2,ग्राम शिक्षा संगम,एमडीएम अद्यतन स्थिति एवं मासिक उपयोगिता,एमडीएम एसएमएस तिथि भोजन आदि की बारी-बारी से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीईईओ ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सचिवों को प्रतिदिन ससमय अनुसार विद्यालय खोलने एवं बंद करने का निर्देश दिया। मौके पर बीपीओ अटल बिहारी भगत, बीआरपी मोहन लाल साहा, इंतखाब आलम, सीआरपी द्विजेंद्र मंडल, अशोक पाल, विशेष प्रशिक्षक सुरेश्वर प्रसाद, कंचन कुमारी, सचिव मो. साईम शेख, मैनुल हक, हारून रशीद, मनोवर हुसैन, असरफ अली, मो. मुबारक, जिब्राईल अली, मोहम्मद युसूफ, दशरथ किस्कू, हबीबुर रहमान, हुमायूं कबीर सहित अन्य मौजूद थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया नमन, याद किए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान

बिभा संवाददाता

राजमहल। भारतीय जनता पार्टी नगर इकाई की ओर से मंगलवार को राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या-06 में जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी ने की। इस दौरान वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रहित में किए गए कार्यों, उनके त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। साथ ही कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए उन्हें राष्ट्रवाद और जनसेवा का प्रेरणास्त्रोत बताया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया। मौके पर उज्ज्वल मंडल, रितेश शाह, सूरज चौधरी, फकीर चंद्र मंडल, शेखर बर्मन, अरविंद मिश्रा, पवन गोस्वामी, कैलाश पासवान, राहुल चौधरी, सुंदरम बर्मन समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृत 2.0 की सीख से बदलेगी शहर की तस्वीर, नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान को मिला प्रशस्ति पत्र

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । शहरों को जल संकट और सीवरेज समस्याओं से मुक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित अमृत 2.0 की दो दिवसीय आवासीय उन्मुखीकरण कार्यशाला के समापन अवसर पर साहिबगंज नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान को उत्कृष्ट सहभागिता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यशाला का आयोजन झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा रांची स्थित कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में किया गया। वहीं कार्यशाला के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, सीवरेज प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, जलाशयों के संरक्षण और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। अमृत 2.0 का मुख्य लक्ष्य शहरों को जल-सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है, साथ ही प्रत्येक घर तक नल से स्वच्छ पानी पहुंचाना और सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

प्रशिक्षण से लौटने के बाद रामनाथ पासवान ने कहा कि कार्यशाला में मिली जानकारी को साहेबगंज के विकास में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने, गंदे पानी के समुचित निकास, तालाबों और कुओं के संरक्षण तथा जल पुनर्चक्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर बसे राज्य के एकमात्र शहर साहिबगंज को स्वच्छ, आधुनिक और स्मार्ट शहर बनाने के लिए नगर परिषद प्रतिबद्ध है। शहर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराने की दिशा में शीघ्र कार्य शुरू किया जाएगा। कार्यशाला में विभिन्न नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी भाग लिया तथा शहरी विकास से जुड़े नए मॉडल और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

धोखाधड़ी कर लाखों रुपए की ठगी का आरोपित पाकुड़ से गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

दुमका। बीएड में नामांकन कराने के नाम पर लाखों की ठगी करने के आरोप में नगर थाना पुलिस ने पाकुड़ जिला के हिरणपुर थाना अन्तर्गत लखनपुर गांव से एक आरोपित मो.कमल हसन अंसारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने यह कार्रवाई शहर के नगर थाना क्षेत्र के रसिकपुर लिची बगान निवासी मिथिलेश कुमार के लिखित बयान पर की है। आरोप है कि मो.कमल हसन अंसारी बीएड व नौकरी दिलाने के नाम पर कई छात्रों से लाखों रुपए की ठगी कर चुका है। आरोपित ने दुमका के मिथिलेश कुमार से भी बीएड में नामांकन कराने के नाम पर 1.40 लाख रुपए की ठगी की थी। रुपए देने के बाद भी बीएड में नामांकन नहीं हो पाया। नामांकन नहीं होने पर आरोपी से रुपए की मांग की गई। रुपए देने में आरोपित आना-कानी करने लगा। उसने आरोपित को ऑनलाइन रूपए दिए थे। बार-बार मांगने के बाद भी रूपए नहीं दिए जा रहे थे। अंत में मिथिलेश ने 5 फरवरी को नगर थाना में मो.कमल हसन अंसारी के खिलाफ धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच करते हुए 23 जून को आरोपित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस आरोपित को दुमका लेकर आई। नगर थाना में पूछताछ के बाद उसे केन्द्रीय कारा भेज दिया गया। अनुसंधानकर्ता का कहना है कि आरोपित पर अन्य कई छात्रों से भी नौकरी व बीएड में नामांकन कराने के नाम पर ठगी करने का आरोप है। लेकिन थाना में मिथिलेश कुमार ने ही लिखित आवेदन दिया था।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ञ्ज20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर ली थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना मेंचयक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

सांता क्लारा। दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था।घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया(एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

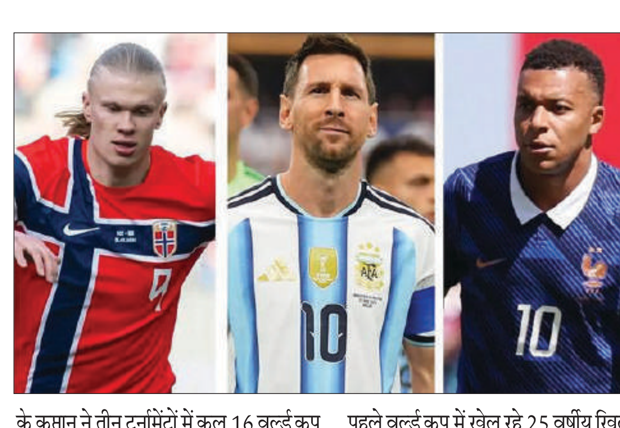

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट से संबंधित जिला सलाहकार समिति की बैठक,

अवैध रूप से संचालित क्लिनिक एवं भ्रूण लिंग परीक्षण से जुड़े मामलों की जांच कर कार्रवाई करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटीः उपायुक्त, मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में ढउ&ढठउ‌ळ एवं क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित समिति के सदस्य एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उपस्थित सदस्यों को ढउ&ढठउ‌ळ (ढ१ी-उङ्घल्लीस्र३ङ्घल्ल 'ल्ली ढ१ी-ठं३' ंॅल्लङ्ग२३ू ळीूॅल्ल०४ी२) एवं क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई।

बताया गया कि जिले में ढउ&ढठउ‌ळ एक्ट के तहत कुल 10 अल्ट्रासाउंड क्लीनिक संचालित है, जिसमें 1 अल्ट्रासाउंड क्लीनिक संचालन के रिन्यूअल हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। जिसे बैठक में उपायुक्त द्वारा रिन्यूअल की स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एक्ट के तहत सभी गाइडलाइंस का अनुपालन सुनिश्चित करना समिति के सदस्यों का उत्तरदायित है। वहिं जिला एवं प्रखंड स्तर पर पदाधिकारियों की जांच टीम का गठन कर नियमित रूप से छापेमारी करने के निर्देश दिए गए। सभी सदस्यों को उनके भूमिका एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

उपायुक्त ने कहा कि अल्ट्रासाउंड क्लीनिक एवं क्लीनिक के संचालन हेतु सभी अधिनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, ताकि भ्रूण लिंग परीक्षण जैसी कुप्रथाओं पर अंकुश लगाया जा सके एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके। क्लीनिक में चिकित्सक होना अनिवार्य है। जिससे मरीजों को समस्या न हो। एक्ट के सम्पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने, जनजागरूकता बढ़ाने एवं आवश्यकता अनुसार ससमय छापेमारी करने पर बल दिया गया। आयुष्मान चिकित्सा पदाधिकारी को अपने स्तर जाँच के निर्देश दिए गए। साथ हीं हाट बाजार में इलाज कर रहे झोलाछाप चिकित्सक को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में सदस्यों के रूप में सिविल सर्जन, चिकित्सक, अधिवक्ता, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संविदा पर नियुक्त 32 कर्मियों का स्थानांतरण

धनबाद (बिभा)ः उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने मनरेगा अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत संविदा के आधार पर नियुक्त एवं विभिन्न प्रखण्डों में कार्यरत 17 प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, 1 तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष), 4 तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता के समकक्ष), 6 लेखा सहायक एवं 4 कम्प्यूटर सहायक सहित 32 कर्मियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया है। उन्होंने एगारकुंड, बाघमारा, धनबाद, निरसा, बलियापुर, कलियासोल, गोविंदपुर, तोपचांची, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, गोविंदपुर, टुंडी, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा एवं निरसा के लेखा सहायक, एगारकुंड, धनबाद, बलियापुर एवं बाघमारा के तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता के समकक्ष), तोपचांची, बलियापुर, बाघमारा एवं कलियासोल के कंप्यूटर सहायक तथा पूर्वी टुंडी के तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष) का अन्य प्रखंड में स्थानांतरण किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय ऑलंपिक दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

बिभा संवाददाता

खूँटी । अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर जिला खेल विभाग खूँटी द्वारा जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एक दिवसीय प्रतियोगिता के तहत मैराथन, साइकिलिंग , हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया एवं उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने सभी खिलाड़ियों एवं जिलेवासियों को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर शुभकामना देते हुए कहा कि खूँटी जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वर्तमान समय में खिलाड़ियों की मेहनत और सुनियोजित तैयारी के साथ-साथ तकनीक का बेहतर उपयोग भी आवश्यक है, जिससे उनके प्रदर्शन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने बालिका वर्ग की हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हॉकी स्टिक से गेंद को हिट कर आधिकारिक रूप से हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

आयोजित प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली एवं ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

बीमार आदिम जनजाति युवक को मिला इलाज, मानवाधिकार संगठन ने बढ़ाया मदद का हाथ

खूँटी(बिभा) । अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के खूँटी जिला प्रभारी बिकेश्वर महतो के सहयोग से आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के एक गंभीर रूप से बीमार युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार, तमाड़ थाना क्षेत्र के चिपिबांधडीह गाँव निवासी 23 वर्षीय सुभाष बिरहोर (पिता- गुरुवा बिरहोर) पिछले लगभग तीन माह से विभिन्न गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें टीबी, रक्त की कमी (एनीमिया), निम्न रक्तचाप, गले में गांठ, पेट में गांठ तथा लगातार बुखार की शिकायत है. आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार को समुचित इलाज कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. मामले की जानकारी मिलने पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के खूंटी जिला प्रभारी बिकेश्वर महतो ने पहल करते हुए युवक को बेहतर उपचार के लिए खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू विभाग में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है।

आपसी प्रेम और भाईचारगी से मनाए मुहर्रम का पर्व : उपायुक्त

पलामू(बिभा) : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक स्थानीय टाउन हॉल में आयोजित की गयी ।बैठक में उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि किसी भी पर्व-त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिले का इतिहास का सुखद है ।इसके लिये आप सभी बधाई के पात्र हैं ।उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से पूर्व की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम का यह त्यौहार आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की ।उपायुक्त ने कहा कि आप सभी समाज के लीडर्स जिम्मेदार है,मुझे आप लोगों पर पूरा भरोसा है कि आप पूर्व की भांति पर्व को सफलतापूर्वक एवं शांति से संपन्न करेंगे ।उन्होंने टाउन थाने में फायर ब्रिगेड के एक वाहन को रेडी टू यूज की स्थिति में रखने पर बल दिया ।उन्होंने कहा कि पलामू जिले में त्योहारों को भाईचारगी के साथ मनाने की परंपरा चली आ रही है,इसे कायम रखने में सभी लोगों का सहयोग अपेक्षित है ।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर व्यापक मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है,हम तो करेंगे ही आपसे अनुरोध है कि आप सभी भी अपने स्तर से सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग करें,बगैर सत्यापन कोई भी मैसेज सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड करने से बचे। उन्होंने सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर झंडा की ऊंचाई तय करने का अनुरोध किया ।कोई भी भड़काऊ गाना नहीं बजे यह सभी को सुनिश्चित करना है। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से सभी से सामाजिक समरसता,भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की ।बैठक में आमलोगों की सुरक्षा,जुलूस मार्गो की सुरक्षा,ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी,अफवाहों की रोकथाम,सुगम यातायात व्यवस्था, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक, बिजली व्यवस्था,स्वास्थ्य,सफाई, पेयजलापूर्ति,सोशल मीडिया के सदुउपयोग आदि आवश्यक सुविधाओं को लेकर चर्चा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक कपील चौधरी ने सभी थाना प्रभारियों से कहा कि आज की इस बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा जो मामले रेखांकित किए गए हैं,उन्हें नोट कर नियमानुसार संज्ञान लें ।एसपी ने कहा कि आपके मदद एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर पर्याप्त संख्या में बलों की तैनाती की जाएगी ।जुलूस के साथ चलने वाले पुलिस पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि जुलूस जब किसी नदी या तालाब के समीप से गुजरे तो पूरी एतिहात के साथ सुरक्षित रूप से गंतव्य तक पहुंचे। उन्होंने सभी से फेक न्यूज शेयर करने से बचने की बात कही ।सभी थाना प्रभारी को सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी बरतने की भी बात कही।

शांति समिति की इस बैठक में विभिन्न मोहर्रम इंतजामिया कमिटी,विभिन्न अखाड़ा एवं शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से मोहर्रम के मद्देनजर बेहतर व्यवस्था को लेकर अपनी अपनी बातें एवं मांगों से डीसी-एसपी को अवगत कराया। बैठक में उपरोक्त के अलावे मेदिनीनगर नगर आयुक्त रंजीत लाल,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,सहायक समाहर्ता,तीनों अनुमंडल पदाधिकारी,सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,सभी अंचलाधिकारी,थाना प्रभारी,विभिन्न मोहर्रम इंतजामिया कमिटी के सदस्यों,विभिन्न अखाड़ा कमिटी के प्रतिनिधियों समेत अन्य उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

बिभा संवाददाता

खूँटी । प्रखंड के फूदी स्थित सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र में झारखंड राज्य के सभी जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ निबंधक सहयोग समितियां, झारखंड शशि रंजन, उपायुक्त खूँटी मो० जावेद हुसैन एवं उप विकास आयुक्त प्रवीन कुमार प्रकाश द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिला सहकारिता पदाधिकारियों की कार्यक्षमता, तकनीकी दक्षता एवं समन्वय क्षमता में वृद्धि करना है, ताकि सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन एवं अनुश्रवण सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नाबार्ड एवं बर्ड, कोलकाता के विशेषज्ञों द्वारा कंप्यूटरीकरण ऑफ एमपीसीएस , इमर्जिंग इश्यूज इन एमपीसीएस, डिजिटाइजेशन, ऑडिट एंड सिस्टम स्ट्रेंथनिंग, गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स, ग्रेन स्टोरेज प्रोग्राम, सक्सेसफुल पैक्स मॉडल, पैक्स मल्टी सर्विस सेंटर सहित अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहकारी समितियों को तकनीक आधारित सेवाओं से जोड़ने, पैक्स को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने, भंडारण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने संबंधी विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न सहकारिता संबंधी पहलों और सफल मॉडलों से अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र, राँची राकेश कुमार सिंह, नाबार्ड के डीजीएम सुशील कुमार सिंह, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, शिवानी रौशन तथा राज्य के विभिन्न जिलों से आए जिला सहकारिता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर को लेकर बीएलओ-सुपरवाईजरों को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 30 जून 2026 से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को रांची जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे दिन मंगलवार को भी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) ने बीएलओ और सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, गणना प्रपत्र (इनेमरेशन फॉर्म-ईएफ) के वितरण, संग्रहण और अभिलेखों के संधारण की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 30 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में प्रत्येक मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए प्रपत्रों का संग्रहण सुनिश्चित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कार्य निष्पादन में आने वाली संभावित चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ को सहयोग करें और समय पर गणना प्रपत्र भरकर उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके।

आगामी मोहर्रम त्यौहार को लेकर गहन मंथन के साथ एसपी ने दिए दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मोहर्रम पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारित रखने हेतु सभी पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन करने, पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा असामाजिक एवं शरारती तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।

समीक्षा के क्रम में यह भी निर्देशित किया गया कि मोहर्रम के अवसर पर निकाले जाने वाले सभी ताजिया एवं जुलूसों का विधिवत सत्यापन किया जाए तथा आयोजकों एवं शांति समिति के सदस्यों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर निर्धारित शर्तों एवं प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खूँटी जिला पुलिस मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सदैव तत्पर रहने का निर्देश दिया।

साथ ही, किसी भी संभावित आपात स्थिति से त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निपटने हेतु त्वरित प्रतिक्रिया दल तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष को पूर्ण रूप से सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में मुख्यालय डीएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, खूँटी डीएसपी मंगल सिंह जामूदा, थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

काँची नदी के किनारे दफन थी 17 साल की बेटी, कुत्ते ने खोला हत्या का खौफनाक राज

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र अंतर्गत गुटीगड़ा गाँव की एक लापता 17 वर्षीय नाबालिग बच्ची का शव सात दिन बाद उसका बड़ा गला शव राँची जिले के दशम फॉल थाना क्षेत्र से बरामद की गयी ?। जो कि सारजोमडीह गांव के पास कांची नदी किनारे बालू में दफन 17 वर्षीय किशोरी का शव मिला । जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा तब हुआ, जब मंगलवार सुबह नदी किनारे एक कुत्ता लगातार बालू खोद रहा था। ग्रामीणों को संदेह हुआ और जब वे मौके पर पहुँचे तो बालू के बीच से शव का हिस्सा दिखाई दिया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दशम फॉल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, बुंडू अंचलाधिकारी हंस हेंब्रम, बुंडू थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, बुंडू महिला थाना प्रभारी खुशबू कुमारी सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल, तकनीकी टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया और घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए।

तभी जाकर जाँच के दौरान शव की पहचान खूँटी जिले के मारांगहादा थाना क्षेत्र के गुटीगाड़ा गांव निवासी 17 वर्षीय हिस्सी कुमारी के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक किशोरी पिछले करीब 14 वर्षों से अड़की थाना क्षेत्र के बारीगड़ा गाँव में अपने मामा के घर रह रही थी और करीब एक सप्ताह से लापता थी। सूचना मिलने पर मृतका की माँ मौके पर पहुँचीं और शव की पहचान अपनी बेटी के रूप में की।

पुलिस के अनुसार किशोरी के गले और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि हत्या करने के बाद शव को पहचान छिपाने की नीयत से कांची नदी किनारे बालू में दफना दिया गया। बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया शव छह से सात दिन पुराना प्रतीत होता है। हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया गया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस इस खौफनाक हत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी है।

विधायक के दौरे के बाद भी नहीं सुधरी बड़का रेगरे की सूरत- भाजपा का सरकार पर तीखा हमला

बिभा संवाददाता

खूँटी । विकास के तमाम दावों के बीच कर्रा प्रखंड के बकसपुर पंचायत अंतर्गत बड़का रेगरे गाँव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यहाँ की मुख्य सड़क पिछले काफी समय से बेहद जर्जर और बदहाल स्थिति में है। सड़क पूरी तरह से कीचड़ और गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। भाजपा नेता विनय गुप्ता ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग को कई बार लिखित आवेदन और सूचना देने के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

ग्रामीणों ने भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय गुप्ता को जानकारी दी, जानकारी प्राप्त होने पर भाजपाई का एक प्रतिनिधिमंडल रेगरे गाँव पहुँचा और सड़क की जमीनी हकीकत का मुआयना किया। गाँव की नारकीय स्थिति को देखकर विनय गुप्ता ने वर्तमान सरकार और स्थानीय नेतृत्व पर तीखा हमला बोला।

भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय गुप्ता ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के आधुनिक दौर में भी इस गाँव के लोग सड़क जैसी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। वर्तमान की हेमंत सोरेन सरकार और यहाँ के स्थानीय विधायक पूरी तरह संवेदनहीन हो चुके हैं, उन्हें जनता के इस दर्द और तकलीफ से कोई फर्क नहीं पड़ता। केवल चुनाव के समय वोट मांगना और बाद में जनता को अपने हाल पर छोड़ देना ही इस सरकार का चरित्र बन चुका है। हम चुप नहीं बैठेंगे और इस सड़क के निर्माण हेतु विभाग को पत्र लिखकर अविलंब कार्रवाई की मांग करेंगे।

गाँव की वार्ड सदस्य ने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने इस जर्जर सड़क की समस्या को लेकर कई बार मुखिया और स्थानीय विधायक को लिखित आवेदन देकर अवगत कराया है।

ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि तोरपा विधानसभा के विधायक खुद इस सड़क की दुर्दशा को अपनी आँखों से देख चुके हैं। उन्होंने आश्वासन भी दिया था, लेकिन उनके दौरे के महीनों बाद भी धरातल पर सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका, जो यहाँ के जनप्रतिनिधियों की उदासीनता को दर्शाता है।

एम्बुलेंस तक नहीं आ पाती, स्कूली बच्चों का भविष्य दांव पर सड़क की इस बदहाली के कारण ग्रामीणों को आए दिन भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क इतनी खराब है कि गाँव में किसी की तबीयत बिगड़ने पर एम्बुलेंस या कोई अन्य चार पहिया वाहन गाँव के भीतर प्रवेश नहीं कर पाता। मरीजों को भगवान भरोसे मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ता है।

शिक्षा में बाधाः कीचड़ और गड्ढों से भरी इस राह पर चलकर हर दिन स्कूली बच्चों को स्कूल जाना पड़ता है, जिससे हमेशा किसी हादसे का डर बना रहता है।

इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा देवी, युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय गुप्ता, मंडल मंत्री नीलाम्बर सिंह, भजयुमो महामंत्री मधुसूदन साहू सहित भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। ये जानकारी विनय गुप्ता ने दी।

बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को ट्रेनिंग देते समय उनके सभी शंकाओं का समाधान करें : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

दुमका। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में किसी प्रकार की खानापूर्ती नहीं करें, एसआईआर के कार्यों को गंभीरता से लें पदाधिकारी। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे लक्ष्य बनाकर कार्य करना है। के. रवि कुमार मंगलवार को संथाल परगना प्रमंडल के दुमका, देवघर एवं जामतारा जिले के पदाधिकारियों के साथ एसआईआर हेतु समीक्षा बैठक कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पदाधिकारी संविधान के अनुच्छेद 326 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 को पूरी तरह से आत्मसात कर लें। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार एक संवैधानिक और वैधानिक अधिकार है, जिसके कारण किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची से नहीं हटाया जा सकता। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सामान्यतः मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए वार्षिक रूप से एकल-चरण वाली 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (ररफ) प्रक्रिया अपनाई जाती है, लेकिन इस बार झारखंड में 23 वर्षों के बाद 'विशेष गहन पुनरीक्षण' आयोजित किया गया है। देश का यह 10वां विशेष गहन पुनरीक्षण दो-चरण वाली प्रक्रिया है, जिसमें पहले चरण में बिना किसी दस्तावेज के सिर्फ इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर के आधार पर मौजूदा मतदाताओं को प्रारूप सूची में शामिल किया जाएगा, और दूसरे चरण में, भारत के नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए दावे और आपत्तियां भी आमंत्रित की जाती हैं। संबंधित व्यक्ति के अपात्रता के आधार पर, प्रारूप मतदाता सूची में किसी मतदाता के नाम को बाहर करने के लिए प्रपत्र-7 में आपत्ति भी आमंत्रित की जाती है।

के. रवि कुमार ने कहा कि एसआईआर में डाक्यूमेंट में मूल रूप से डेट ऑफ बर्थ एवं प्लेस ऑफ बर्थ को चेक किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावे डिक्लेरेशन फॉर्म में पहले केवल सेल्फ डिक्लेरेशन किया जाता था कि ?मैं भारत का नागरिक हूँ, मैं अमुक स्थान पर निवास करता हूं? वहीं अब इसे डिक्लेरेशन के बाद इसे सत्यापित करने हेतु वैलिड डॉक्यूमेंट लिए जाने है। उन्होंने कहा कि विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची के दस्तावेज को मतदाताओं के प्लेस ऑफ बर्थ के लिए वैलिड डॉक्यूमेंट के रूप में माना गया है। वैसे मतदाता जिनकी मैपिंग विगत के मतदाता सूची से हो गई उन्हें सामान्यतः एसआईआर में अन्य किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे।

के. रवि कुमार ने कहा कि पदाधिकारी, एसआईआर के लिए दिए गए ट्रेनिंग मैटेरियल के प्रत्येक बिंदुओं का गहन अध्ययन करें एवं बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को ट्रेनिंग देते समय उनके सभी शंकाओं का भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बताये गये दिशा निदेर्शों का अनुपालन करते हुए उनका समाधान करें।

इस अवसर पर संथाल परगना के आयुक्त संजय कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी देवघर सौरभ कुमार भुवानिया, जिला निर्वाचन पदाधिकारी दुमका अविजित सिन्हा, जिला निर्वाचन पदाधिकारी जामतारा आलोक कुमार, अपर जिला निर्वाचन पदाधिकारी देवघर सुलोचना मीणा, तीनों जिलों के सभी विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ एवं एईआरओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित निर्वाचन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह का शुभारंभ, पूरे झारखंड में धूमधाम से मनाया गया

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन, संबंधित जिला ओलम्पिक संघों एवं विभिन्न खेल संघों के संयुक्त तत्वावधान में पूरे झारखंड में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

रांची में समारोह का शुभारंभ साइकिल अभियान के साथ हुआ, जिसका आयोजन रांची जिला ओलम्पिक संघ के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसाइटी जेएसएसपीएस, साई रांची, जिम्नास्टिक, वॉलीबॉल एवं वुशु के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इसके साथ ही ग्रीन ओलम्पिक थीम के अंतर्गत खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम में झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शुवेंद्र दुबे सहित निशिकांत पाठक, उत्तम राज, संजय कुमार, राम भट्ट, शैलेन्द्र दुबे, अमासी बारला, डॉ. दीपक कुमार, दीपक गोप, कृष्णा कुमार एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस सप्ताह के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में आगामी दिनों में साइकिल रैली, फिटनेस गतिविधियाँ, वृक्षारोपण, खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य युवाओं में खेल, फिटनेस और ओलम्पिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर बैडमिंटन और तैराकी प्रतियोगिता

रामगढ़(बिभा)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर खेलकूद को बढ़ावा देने और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को उचित मंच देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से बैडमिंटन एवं तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समाहरणालय स्थित स्विमिंग पूल और बैडमिंटन कोर्ट परिसर में आयोजित इस खेल उत्सव का शुभारंभ डीसी ऋतुराज ने गुब्बारे उड़ा कर किया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में बाल व युवा प्रतिभागी, खेल प्रेमी और उनके अभिभावक सम्मिलित हुए। डीसी ऋतुराज ने बैडमिंटन कोर्ट का निरीक्षण किया और मैच खेल रहे खिलाड़ियों के कौशल को देखा। इस दौरान उन्होंने स्वयं खेल की बारीकियों को रेखांकित करते हुए खिलाड़ियों को तकनीकी सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण खेल टिप्स साझा किए। इसके बाद डीसी ने स्विमिंग पूल परिसर का भ्रमण कर तैराकी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। डीसी ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक अनिवार्य और अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना जैसे मानवीय मूल्यों का बीजारोपण भी करता है। जिला प्रशासन जिले के प्रत्येक प्रतिभावान खिलाड़ी को हर संभव प्रशासनिक सहयोग, संसाधन और आधुनिक खेल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है ताकि वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम गौरवान्वित कर सकें। जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार की देखरेख में आयोजित इस प्रतियोगिता के सफल क्रियान्वयन एवं सुचारू संचालन की उपस्थित अभिभावकों और खेल संघों की ओर से व्यापक सराहना की गई। इस अवसर पर डीडीसी आशीष अग्रवाल, एसडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्व ओलंपिक दिवस पर खिलाडी हुए सम्मानित

रांची(बिभा)। खेलकूद-युवा कार्य निदेशालय झारखंड सरकार की ओर से मंगलवार को विश्व ओलंपिक दिवस 2026 का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित हाफ मैराथन में महिला वर्ग में ममता कुमारी प्रथम, रितु कुमारी द्वितीय और संजना कुमारी तृतीय रहीं। पुरुष वर्ग में गुरु लाल सिंह ने पहला, शारद अहीक ने दूसरा और जानकी कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इनके अलावे कार्यक्रम में ओमान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी में कांस्य पदक जीतने वाली नीलम टोप्नो, खोली कुमारी, सुगम सांगा, श्रुति कुमारी एवं कोच करुणा पूर्ति और फुटबॉल, कबड्डी और हॉकी प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सुप्रसिद्ध पूर्व हॉकी ओलंपियन मनोहर टोपनो कहा कि झारखंड की माटी में हॉकी की अपार प्रतिभा है। यहां की बेटियों में काफी क्षमता है। इसलिए समय समय पर विश्व पटल पर इन्होंने अपने राज्य का नाम रौशन किया है। अब आगे भी राज्य की बेटियां भविष्य में देश के लिए ओलंपिक में भी पदक जीतेंगी। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि के तौर पर खेल उपनिदेशक निर्भय कुमार, खेल विभाग के उपसचिव जय प्रकाश करमाली, जिला खेल पदाधिकारी रांची, शिवेन्द्र कुमार सिंह, डीआरडीए (डीआरडीए) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ऋतुराज, जेएसएसपीएस की पुष्पा हांसदा सहित जिले के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेलो इंडिया, आवासीय और डे-बोर्डिंग केंद्रों एवं जेएसएसपीएस के सैकड़ों खिलाड़ी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर 23 जून 2026 को जिले के क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाड़ियों को ओलंपिक मूल्यों से अवगत कराने तथा खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हॉकी, क्रॉस कंट्री दौड़ एवं फुटबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए ओलंपिक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतियोगिताएं केवल शुरूआत हैं, खिलाड़ियों का अंतिम लक्ष्य ओलंपिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करते हुए ओलंपिक में तिरंगा लहराना ही एक खिलाड़ी की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

प्रतियोगिता परिणामों में बालिका हॉकी फाइनल मुकाबले में लचरागढ़ टीम ने एसटीसी सिमडेगा को 3-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं हॉकी प्रतियोगिता में एसटीसी सिमडेगा ने सीओई सिमडेगा को 1-0 से हराया। फुटबॉल प्रतियोगिता में एसटीसी सिमडेगा ने एसओई सिमडेगा को 2-1 गोल से पराजित किया।

क्रॉस कंट्री दौड़ के बालिका वर्ग में अनुषा कुल्लू प्रथम, रीना कुल्लू द्वितीय एवं जमुना कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में अनुज एक्का ने प्रथम, जीदन पूर्ति ने द्वितीय तथा सिकंदर मिंज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी श्री मनोज कुमार, हॉकी झारखंड सह हॉकी सिमडेगा के उपाध्यक्ष श्री मनोज कुमार प्रसाद, प्रशिक्षक एंजेलिस तिर्की, आदम होरो, तारिणी कुमारी, दिनेश विश्वकर्मा एवं अन्य उपस्थित रहे।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान, 6.32 लाख वसूला जुर्माना

धनबाद: धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है ` इसी क्रम में मंगलवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 663 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 6,32,595 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

धनबाद : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर दिनांक 23 जून 2026 को जिला खेल कार्यालय, धनबाद के तत्वावधान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर फुटबॉल, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, किक बॉक्सिंग, गतका एवं तीरंदाजी सहित विभिन्न खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं के समापन उपरांत सभी विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी, धनबाद द्वारा खिलाड़ियों को ओलंपिक आंदोलन के इतिहास, उसके उद्देश्यों तथा खेलों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में उसकी भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्टता के ओलंपिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में नमिता, जयराम भगत, सूरज गुप्ता, प्रशांत सिंह, रवि, अंकित, राज, रिंकू गुप्ता, अरुण राय, विजय राय एवं बिपिन दत्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला खेल कार्यालय, धनबाद ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

बिहान भारत

हाजीपुर: महेन्द्रूघाट, पटना में दानापुर मंडल की मंडल संसदीय समितिह्य की बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता नालन्दा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी । सभी सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे ।

बैठक में राज्यसभा के सांसद शिवेश कुमार एवं शंभु शरण पटेल तथा आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी, नवादा के सांसद विवेक ठाकुर उपस्थित थे । इनके अलावा सांसद नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में विधायक ललन कुमार, वस्त्र मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि कुंदन भारती, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह खान, सांसद खीरू महतो के प्रतिनिधि पिंटू कुमार सिंह, सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि संतोष कुमार यादव, सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव के प्रतिनिधि मोहम्मद शहनवाज, सांसद अरूण भारती के प्रतिनिधि अरविंद कुमार उपस्थित थे ।

बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई ।

इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया । महाप्रबन्धक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ विगत वर्ष 2025 में शताब्दी वर्षगांठ मनाते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं । पर्व त्योहार एवं अत्यंत व्यस्त सीजन पर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करती रही है । वर्तमान वितीय वर्ष 2025-26 में 518 जोड़ी विशेष रेल गाड़ियों का परिचालन किया गया एवं विभिन्न गाड़ियों में कुल 2262 अतिरिक्त कोच लगाये गए । ह्यअमृत भारत स्टेशनह्ण योजना के तहत स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विकास किया जा रहा है । पाटलिपुत्र में वन्दे भारत ट्रेनसेट अनुरक्षण डिपो एवं हार्डिंग पार्क में 05 नये प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य प्रगति पर है। प्रस्तावित राजगीर कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं फतुहा मेगा कोचिंग टर्मिनल का निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में प्रगति पर है।

महाप्रबन्धक ने सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

आसनसोल मंडल ने भरी नई उड़ान: सिउड़ी मालगोदाम से नया माल ढुलाई का काम हासिल कर 19.67 लाख का राजस्व अर्जित किया

बिहान भारत

कोलकाता: क्षेत्रीय व्यापार और रेल माल परिवहन को बड़ी मजबूती प्रदान करते हुए, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने सिउड़ी रेलवे मालगोदाम से बिल्कुल नया माल यातायात सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। ?नया व्यवसाय, नए संपर्क और नई संभावनाएँ? की अवधारणा पर आधारित इस महत्वपूर्ण व्यावसायिक पहल को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में क्रियान्वित किया गया। मंडल ने खाद्य तेल तथा उसना चावल जैसी आवश्यक वस्तुओं के रेल परिवहन की सफल शुरूआत की है, जो रेल माल ढुलाई को सशक्त बनाने, विकास को गति देने तथा क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला को उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संग्रह मौर्य ने बताया कि सूरी से कुल 21 बीसीएन वैगनों का सफलतापूर्वक लदान कर उन्हें अजारा के लिए रवाना किया गया। इस विशेष खेप में 11 वैगन खाद्य तेल तथा 10 वैगन उबले हुए चावल से लदे थे, जिससे ?19.67 लाख का उल्लेखनीय माल राजस्व प्राप्त हुआ। श्री मौर्य ने कहा कि यह उपलब्धि मंडल के उन प्रमुख उद्देश्यों के अनुरूप है, जिनमें माल परिवहन में हिस्सेदारी बढ़ाना, ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना, परिचालन क्षेत्र का विस्तार करना तथा ग्राहक संतुष्टि एवं समग्र आर्थिक विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता बनाए रखना शामिल है।

यद्यपि यह उपलब्धि मुख्य रूप से माल परिवहन नेटवर्क को मजबूत करती है, लेकिन इसका प्रत्यक्ष लाभ दैनिक रेल यात्रियों को भी मिलेगा। ऐसे सफल माल परिवहन अभियानों से प्राप्त राजस्व को यात्री सुविधाओं के उन्नयन में पुनर्निवेशित किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों को आधुनिक स्टेशन सुविधाएँ, स्वच्छ प्लेटफॉर्म, बेहतर सुरक्षा व्यवस्थाएँ तथा समग्र यात्रा अनुभव में सुधार देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त, खाद्यान्न एवं खाद्य तेल जैसे भारी माल को उच्च क्षमता वाली ट्रेनों के माध्यम से परिवहन करने से सड़कों पर भारी ट्रकों की संख्या कम होगी, जिससे आम जनता को अधिक सुरक्षित और कम भीड़-भाड़ वाली सड़कों का लाभ मिलेगा।

इस उपलब्धि के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा हमारा ध्यान बाजारों को जोड़ने और प्रगति को गति देने पर केंद्रित है। सिउड़ी मालगोदाम में नए माल परिवहन अवसरों को प्राप्त कर हमने न केवल अपनी कार्यकुशलता सिद्ध की है, बल्कि स्थानीय व्यवसायों के लिए एक विश्वसनीय परिवहन तंत्र भी विकसित किया है। यह सफलता हमारी 'नई सोच, नई रफ्तार' की सतत प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूर्व रेलवे व्यावसायिक समृद्धि और जन-सुविधा, दोनों के लिए एक प्रेरक शक्ति बनी रहे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com